राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 284 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,17 अप्रैल 2021, मूल्य रु. 1.50

## पीएम मोदी का निर्देश, ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करें राज्य, तालमेल बिठाने का भी दिया जोर

**नई दिल्ली।** देश के विभिन्न भागों से ऑक्सीजन की कमी की खबरों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को हालात की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों को पूरे देश में ऑक्सीजन की अबाध सप्लाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद गृहसचिव अजय भल्ला ने सभी राज्यों को पत्र लिखकर ऑक्सीजन को कोरोना काल में अतिआवश्यक वस्तु बताते हुए इसकी आवाजाही पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगाने की हिदायत दी है।

प्रधानमंत्री के साथ बैठक में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से विभिन्न राज्यों से ऑक्सीजन की मांग, सप्लाई चेन, उत्पादन क्षमता और उपलब्धता बढ़ाने की कोशिशों के बारे में विस्तृत ब्योरा पेश किया गया। प्रधानमंत्री को बताया गया कि मौजूदा समय में प्रतिदिन ऑक्सीजन की खपत 3,800 मीट्रिक टन (एमटी) से ज्यादा है। इसमें से ज्यादातर खपत कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में हो रही है। ये राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब। बैठक में 20 अप्रैल, 25 अप्रैल और 30 अप्रैल को इन राज्यों में ऑक्सीजन की होने वाली मांग का अनुमान लगाया गया, जो क्रमशः 4,880 एमटी, 5,619 एमटी और 6,593 एमटी है। बाकी राज्यों में भी कोरोना के

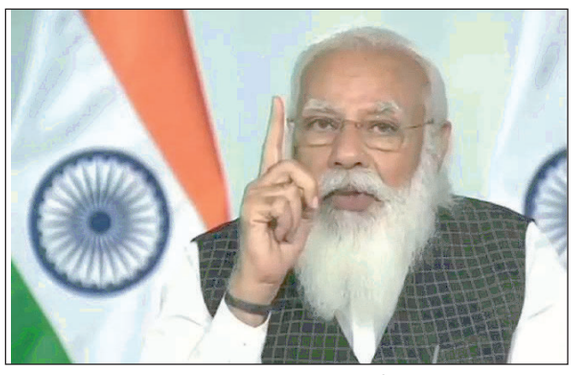

बढ़ने की स्थिति में ऑक्सीजन की मांग बढ़ सकती है, जो 7,127 एमटी टन की दैनिक उत्पादन क्षमता से भी ज्यादा होगी। प्रधानमंत्री को बताया गया कि इस मांग को पूरा करने के लिए हर तरह के कदम उठाए जा रहे हैं, जिसमें 50 हजार मीट्रिक टन ऑक्सीजन का आयात भी शामिल है।

**समीक्षा बैठक की खास बातें**

- देश में प्रतिदिन 3,800 मीट्रिक टन से ज्यादा ऑक्सीजन की खपत
- 30 अप्रैल को 12 राज्यों में 6,593 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की मांग का अनुमान
- ऑक्सीजन की दैनिक उत्पादन क्षमता 7,127 मीट्रिक टन, मांग बढ़ने पर होगी मुश्किल
- 50 हजार मीट्रिक टन ऑक्सीजन का किया जा रहा आयात, स्टील प्लांट से 1,500 मीट्रिक टन की सप्लाई

**रीफिलिंग प्लांट को 24 घंटे काम करने की अनुमति-** समीक्षा बैठक में प्रधानमंत्री को बताया गया कि नाइट्रोजन और ऑर्गन टैंकर से ऑक्सीजन की सप्लाई करने की अनुमति दी गई है। रीफिलिंग प्लांट को भी 24 घंटे काम कर सकेंगे। इसके साथ ही स्टील प्लांट में स्थित ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयों से भी ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है। इस्पात मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के निर्देश के बाद स्टील प्लांटों में स्थित 28 ऑक्सीजन उत्पादक इकाइयों से प्रतिदिन 1,500 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है। इसके साथ 30 हजार मीट्रिक टन ऑक्सीजन का स्टॉक भी उपलब्ध करा दिया गया है।

**ऑक्सीजन अत्यावश्यक स्वास्थ्य वस्तु में शामिल**

प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद गृह सचिव अजय भल्ला ने सभी राज्य सचिव को पत्र लिखकर ऑक्सीजन की एक से दूसरे राज्यों में आवाजाही में किसी प्रकार की रुकावट नहीं डालने की हिदायत दी। भल्ला ने कहा है कि कोरोना काल में अति आवश्यक स्वास्थ्य वस्तु की श्रेणी में आने के कारण राज्य अपने यहां की उत्पादक इकाइयों से ऑक्सीजन को बाहर ले जाने पर रोक नहीं लगा सकते हैं और न ही ऑक्सीजन सप्लाई करने वालों को सिर्फ लोकल अस्पतालों में इसकी सप्लाई करने के लिए बाध्य कर सकते हैं। उन्होंने ऑक्सीजन टैंकरों की बेरोक-टोक आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए ट्रांसपोर्ट विभाग को जरूरी निर्देश जारी करने को कहा है।

## डॉ. हर्षवर्धन ने कोरोना सुविधाओं का जायजा लेकर जाहिर की चिंता

### 2021 में 2020 के मुकाबले तेजी से बढ़ रहे हैं मामले

**नई दिल्ली, ( एजेंसी)।** देशभर में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में कोरोना का खौफ बहुत तेजी से पैर पसार रहा है। कोरोना से जोरदार तबाही मची हुई है। हर रोज लाखों लोग इस वायरस की चपेट में आ रहे है एवं सैकड़ों लोगों की जान जा रही है। इस बीच शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन दिल्ली एम्स के ट्रामा सेंटर का दौरा कर वहां स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया।

**कोविड बेड की संख्या बढ़ाने का निर्णय:** इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने एम्स के डॉक्टर्स से भी बात की और मौजूदा हालात और चुनौतियों पर चर्चा की। कोरोना को लेकर डॉ. हर्षवर्धन ने चिंता जाहिर करते हुए कहा- कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और यही कारण है कि, अस्पताल में बिस्तरों की संख्या भी तेजी से भर रही है। हम सिस्टम को सुधार करने के लिए तैयार हैं और लगातार कोशिश कर रहे हैं। हमें धैर्य और साहस के साथ काम लेना है। ट्रामा सेंटर में कोविड बेड की संख्या लगभग 266 है, इसमें से 253 बेड पर मरीज़ हैं। हमने यहां 70 और बेड बढ़ाने का निर्णय लिया है। झज्जर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट में कोविड के लिए 500 बेड हैं, वहां पर भी हमने 100 और बेड बढ़ाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने कहादेशभर में मामलों की संख्या बढ़ रही है। मैं अस्पतालों में जाकर डॉक्टरों से बात करके ये जानने की कोशिश कर रहा हूं कि हमें और क्या तैयारियां करने की जरूरत है।

**सरकार के पास कोरोना को लेकर एक साल का अनुभव:** डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि, ड़ॉक्टर परिस्थिति के मुताबिक फैसला ले सकते हैं। आगे उन्होंने ये बात भी कही कि 2021 में 2020 के मुकाबले भले ही मामलों की संख्या बढ़ रही है, उसकी गति तेज है, लेकिन 2021 में आपके (डॉक्टरों) पास कई सौ गुना ज़्यादा अनुभव है।

## कोरोना को लेकर आपस में भिड़े बैरागी व संन्यासी अखाड़े

**हरिद्वार ।** कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच हरिद्वार में कुंभ मेला जारी है। कई संत कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। ऐसे में इस आयोजन को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। मगर कोरोना किसकी वजह से फैला इसे लेकर अब अखाड़े आपस में भिड़ गए हैं। बैरागी अखाड़े ने कोरोना संक्रमण के लिए संन्यासी अखाड़े को जिम्मेदार ठहराया है।

कुछ अखाड़ों ने अपनी तरफ से कुंभ समाप्ति की घोषणा कर दी है। बैरागी अखाड़े का कहना है कि कोरोना संन्यासी अखाड़े की वजह से फैला है, हमने इसे नहीं फैलाया है। बैरागी अखाड़े के अलावा निर्मोही अखाड़े के अध्यक्ष महंत राजेंद्र दास का भी बयान सामने आया है। उनका कहना है कि कुंभ में बढ़ते संक्रमण के लिए अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि जिम्मेदार हैं।

**50 संत मिले कोरोना पॉजिटिव**

कुंभ में 14 अप्रैल को शाही स्नान था। इसके बाद से आने वाली खबरें डरा रही हैं। कुंभ में अबतक 50 साधु-संत कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। बीते 24 घंटे में जूना निरंजनी और आह्वान अखाड़े के कई साधु कोरोना की चपेट में मिले हैं। लगातार बढ़ते मामलों के मद्देनजर हरिद्वार प्रशासन ने रैंडम सैंपलिंग बढ़ा दी है। हरिद्वार में अब अलग-अलग इलाकों पर कोरोना जांच हो रही है। इसी वजह से मामलों में इजाफा हुआ है।

**निरंजनी अखाड़ा कर चुका है कुंभ समाप्ति की घोषणा-** कोरोना के तेज फैलाव के बीच सरकार जहां कुंभ को तय अवधि (30 अप्रैल) तक कराने पर अडिग है, वहीं अखाड़ों ने कुंभ को समेटने की शुरुआत कर दी है। निरंजनी अखाड़े ने 17 अप्रैल को कुंभ मेला खत्म करने का निर्णय लिया है। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के सचिव श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने मीडिया को बताया कि, हरिद्वार में कोरोना की स्थिति अच्छी नहीं है। संत कोरोना की चपेट में आ रहे हैं। 27 अप्रैल के शाही स्नान पर चंद संत पैदल जाकर गंगा स्नान करेंगे। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को छावनी उठ जाएगी और संत अपने-अपने अखाड़ों में चले जाएंगे।

## कोरोना से रोकी गई करंसी नोट की छपाई नासिक में प्रिंटिंग प्रेस 30 अप्रैल तक बंद

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए महाराष्ट्र के नासिक में करेंसी नोटों की छपाई रोक दी गई है। एहतियातन महाराष्ट्र में ब्रेक द चेन मुहिम के तहत ये कदम उठाया गया है। यहां नोटों की छपाई 30 अप्रैल तक बंद कर दी गई है।

**जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी ही काम करेंगे :** नासिक की करेंसी सिक्योरिटी प्रेस और इंडिया सिक्योरिटी प्रेस में 30 अप्रैल तक काम बंद कर दिया गया है। इन दोनों ही प्रेस में इस दौरान सिर्फ जरूरी सेवाओं से जुड़े कर्मचारी ही काम करेंगे, जैसे- फायर ब्रिगेड, पानी की सप्लाई और मेडिकल सेवाओं से जुड़े कर्मचारी ही अपनी-अपनी शिफ्ट में काम करेंगे।

**40 परसेंट नोटों की छपाई यहीं होती है**

इस दौरान नोटों की छपाई से जुड़े लोग नहीं आएंगे इसलिए नोटों की छपाई पूरी तरह बंद रहेगी. आपको बता दें कि भारत में सर्कुलेट होने वाले करीब 40 परसेंट नोट नासिक के करेंसी नोट प्रेस (सीएनपी) में ही छपते है। इन दोनों ही कंपनियों में करीब 3000 कर्मचारी काम करते हैं. इन कर्मचारियों और इनके परिजनों की सेहत की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ये फैसला लिया गया है।

**पिछले साल भी रुकी थी छपाई**

पिछले साल भी कोरोना महामारी के चलते करेंसी प्रेस नोट कुछ दिनों के लिए बंद की गई थी। पिछले साल भी नासिक की प्रेस को कुछ दिनों के लिए बंद करना पड़ा था। क्योंकि 40 स्टाफ कोरोना संक्रमित पाए गए थे। करेंसी नोट प्रेस, नासिक में हाई क्वालिटी के नोट्स छपते हैं।

## एक नजर...

### भारत में महिला प्रधान न्यायाधीश नहीं बनीं

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश आर. एफ. नरीमन ने शुक्रवार को कहा कि देश में एक महिला राष्ट्रपति और एक महिला प्रधानमंत्री रहीं हैं, लेकिन दुर्भाग्य से यहां कभी कोई महिला प्रधान न्यायाधीश नहीं रही हैं। हालांकि साथ ही उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इसके लिए समय बहुत दूर नहीं है। न्यायमूर्ति नरीमन ने ग्रेट वूमन ऑफ हिस्ट्री पर 26वें न्यायमूर्ति सुनंदा भंडारे के स्मारक व्याख्यान के दौरान कहा, भारत में हमारे पास एक महिला राष्ट्रपति रहीं हैं।

### ओडिशा में जेट्टी निर्माण को 50 करोड़ की मंजूरी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सागरमाला पहल के तहत ओडिशा के कनिनली और तलचुआ को जोड़ने के लिये हर मौसम में काम करने वाले रोपैक्स (रोल-ऑन/रोल-ऑफ पैसेंजर) जेटी और उससे जुड़े बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए 50.30 करोड़ रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। ओडिशा सरकार इस परियोजना की लागत का बाकी 50 प्रतिशत हिस्सा वहन करेगी। परियोजना की कुल पूंजी लागत 110.60 करोड़ रुपए है ।

### भारतीय वायुसेना को मिला बुलेट प्रूफ वाहन

**चेन्नई, (एजेंसी)।** हिंदुजा समूह की वाणिज्यिक वाहन निर्माता अशोक लेलैंड लिमिटेड ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) को पहला लाइट बुलेट प्रूफ वाहन दे दिया है। अशोक लेलैंड के अनुसार, लाइट बुलेट प्रूफ वाहन लॉकहीड मार्टिन के कॉमन व्हीकल नेक्स्ट जनरेशन (सीवीएनजी) का अपनाया हुआ एक वर्जन है। अशोक लेलैंड ने कहा कि वाहन को दोनों कंपनियों के बीच प्रौद्योगिकी समझौते के हस्तांतरण के तहत विकसित किया गया है।

### जम्मू में महिला एसपीओ गिरफ्तार

**श्रीनगर, (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में तैनात एक महिला विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) को आतंकवाद का महिमामंडन करने और सरकारी अधिकारियों की ड्यूटी में बाधा पहुंचाने के आरोप में बर्खास्त करने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बुधवार को आतंकियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने पर कुलगाम में फ्रिसल गांव के करवा मोहल्ला में सुरक्षा बलों ने एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था।

**बंगाल चुनाव: चुनाव आयोग की सख्ती**

## शाम 7 बजे के बाद प्रचार नहीं, दलों को आदेश

**कोलकाता, (एजेंसी)।** देश में कोरोना वायरस की भयावह स्थिति को देखते हुए चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल चुनाव में कुछ सख्त कदम उठाए हैं। चुनाव आयोग ने आदेश दिए हैं कि अब कोई पार्टी शाम सात बजे के बाद रैली या प्रचार नहीं पाएगी। इसके अलावा अब वोटिंग के 72 घंटे पहले ही चुनाव प्रचार समाप्त हो जाएगा। इससे पहले यह समयसीमा 48 घंटे की होती थी। आयोग ने कहा है-सभी प्रत्याशियों और राजनीतिक पार्टियों को कोरोना गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करना है। किसी भी तरह के नियम उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। रैली के आयोजनकर्ताओं की जिम्मेदारी होगी कि रैली में मौजूद लोगों को सैनेटाइजर और मास्क मुहैया कराएं। साथ ही रैली में उतने ही लोग इकट्ठा हों जितने की छूट दी गई है।

**स्टार प्रचारक और पार्टी प्रत्याशी खुद भी मास्क पहनें, समर्थकों को प्रेरित करें**

चुनाव आयोग ने कहा है कि स्टार प्रचारक और पार्टी प्रत्याशी खुद भी मास्क पहनें और समर्थकों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इसके अलावा समर्थकों को सैनेटाइजर और सोशल डिस्टेंसिंग पर ध्यान देने को कहें।

### सीतलकुची पर 5 मई तक रिपोर्ट देने का आदेश

कोलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य के अपराध अनुसंधान विभाग को पांच मई तक सीतलकुची मामले से संबंधित मामले की जांच रिपोर्ट से अवगत कराने का शुक्रवार को आदेश दिया। राज्य में हो रहे विधानसभा चुनाव के चौथे चरण के मतदान के दौरान 10 अप्रैल को कूचबिहार जिले के सीतलकुची में सीआईएसएफ की ओर से की गई फायरिंग में चार लोग मारे गए थे। सीआईडी ने शुक्रवार को शीतलकुची घटना की जांच शुरू की।

### शुक्रवार को बुलाई थी सर्वदलीय बैठक

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरिज आफताब ने शुक्रवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने सीईओ और राज्य में सभी जिलाधिकारियों को चुनाव के बाकी चार चरणों में प्रचार के दौरान कोविड-19 के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया था कि राज्य में सभी राजनीतिक दलों से बैठक के लिए केवल एक प्रतिनिधि भेजने को कहा गया है।

## दिल्ली के स्मारक 15 मई तक बंद, केजरीवाल ने स्थिति की समीक्षा के लिए बुलाई मीटिंग

**नई दिल्ली ।** दिल्ली और देश में तेजी से बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों को देखते हुए संस्कृति मंत्रालय ने राजधानी दिल्ली में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (स्ढ्ढ) द्वारा संरक्षित कुतुब मीनार, लाल किला, हुमायूं का मकबरा समेत अपने सभी स्मारकों को 15 मई तक बंद रखने का फैसला लिया है। इस बीच, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार शाम 4 बजे कोरोना वायरस की स्थिति पर एक समीक्षा बैठक करेंगे। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

इसके साथ ही दिल्ली के उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को कोविड-19 प्रबंधन के लिए नोडल मंत्री नियुक्त बनाया गया है। वह अंतर-मंत्रालयी समन्वय की जिम्मेदार भी संभालेंगे। वहीं, दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने मुख्य सचिव को अस्पतालों में बेड की उपलब्धता की सूचना देने वाली हेल्पलाइन शुरू करने का निर्देश दिया है।

दिल्ली में गुरुवार को कोरोना के 6,699 नए केस आने आने के साथ ही संक्रमित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 7.84 लाख के पार पहुंच गया। इसके साथ ही अब पॉजिटिविटी रेट भी 20.22 फीसदी पर आ गया है। कोरोना संक्रमण से कल 112 मरीजों की मौत भी हो गई थी। बुधवार को 17,282 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। दिल्ली सरकार ने लोगों से अपील की है कि जब भी घर से बाहर निकलें तो फेस मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग अपनाने जैसे कोविड दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें। गौरतलब है कि दिल्ली में जारी कोरोना की चौथी लहर के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीते दिनों कहा था कि शहर में हालात बेहद गंभीर हैं बहुत जरूरी होने पर ही लोग घरों से बाहर निकलें। केजरीवाल ने कहा था कि कोरोना की चौथी लहर पिछली लहर से ज्यादा खतरनाक है। सरकार स्थिति पर करीब से नजर रख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उनकी सरकार दिल्ली में लॉकडाउन नहीं लगाना चाहती, लेकिन अगर अस्पतालों में भीड़ बढ़ गई और गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए बेड्स उपलब्ध नहीं रहे तो लॉकडाउन लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि हमें आपका सहयोग चाहिए। अगर आपका सहयोग मिलता है और अस्पतालों की स्थिति नियंत्रण में रहती है तो दिल्ली में लॉकडाउन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन अगर अस्पतालों में बेड्स की कमी हो जाती है और बेड्स खाली नहीं रहते तो लॉकडाउन लगाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर अस्पताल व्यवस्था चरमरा जाती है, तभी लॉकडाउन लगाया जाना चाहिए।

केजरीवाल ने कहा कि मैं लॉकडाउन लगाने के पक्ष में नहीं हूं। मेरा मानना है कि लॉकडाउन कोविड-19 से निपटने का समाधान नहीं है। अगर अस्पताल व्यवस्था चरमरा जाती है तो तभी लॉकडाउन लगाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा कि अगर वे कोरोना वायरस से संक्रमित हो जाते हैं तो अस्पतालों में जाने के बजाय होम आइसोलेशन में रहें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गंभीर मरीजों के लिए अस्पतालों में बेड्स खाली रखे जाएं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पांचवे चरण में शुक्रवार को मतदान अधिकारी ईवीएम एवं अन्य सामग्री को मतदान के लिए पोलिंग केंद्र ले जाते हुए।

### हीरा कारोबारी नीरव मोदी को बड़ा झटका, पीएनबी घोटाले के आरोपी के प्रत्यर्पण को ब्रिटेन सरकार ने दी मंजूरी

**लंदन ।** भगोड़े हीरा काराबोरी नीरव मोदी को भारत लाए जाने का रास्ता साफ हो गया है। भारत की प्रत्यर्पण की मांग पर ब्रिटेन की गृह मंत्री ने सहमति जताई है और मंजूरी दे दी है। सीबीआई के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को ब्रिटेन की होम मिनिस्टर प्रीति पटेल ने नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पित किए के फैसले पर मुहर लगा दी है। इससे पहले लंदन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण पर सहमति जताई थी और उसकी सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा था कि उसका भारत की जेल में ख्याल रखा जाएगा। हालांकि, जानकारों का कहना है कि नीरव मोदी के पास अभी अपील का रास्ता बचा हुआ है और आदेश को वह हाई कोर्ट में चुनौती दे सकता है।

नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी पर पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर 14 हजार करोड़ रुपए से भी अधिक के लोन की धोखाधड़ी का आरोप है। यह धोखाधड़ी गारंटी पत्र के जरिए की गई। उस पर भारत में बैंक घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग के तहत दो प्रमुख मामले सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय ने दर्ज किए हैं। इसके अलावा कुछ अन्य मामले भी उसके खिलाफ भारत में दर्ज हैं। सीबीआई और ईडी के अनुरोध पर ब्रिटेन से उसका प्रत्यर्पण अगस्त, 2018 में मांगा गया था।

घोटाले के बाद भारत से भागने वाला नीरव मोदी इस समय लंदन की वांड्सवर्थ जेल में बंद है। प्रत्यर्पण से बचने के लिए नीरव मोदी ने कोर्ट में कहा था कि वह मानसिक रूप से बीमार है। साथ ही उसने भारत की जेल में सुविधाएं न होने का दावा किया। हालांकि, कोर्ट ने नीरव मोदी की इन दलीलों को खारिज कर दिया था।

फरवरी में वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट ने भारत सरकार के पक्ष में फैसला सुनाते हुए नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। हालांकि, प्रत्यर्पण आदेश पर होम मिनिस्टर प्रीति पटेल के हस्ताक्षर का यह मतलब नहीं है कि नीरव मोदी को भारत लाने में अब कोई अड़चन नहीं। उसके पास अभी कई कानूनी रास्ते बचे हैं, जिनमें सुप्रीम कोर्ट में अपील और शरण मांगने जैसे विकल्प हैं। एक्सपर्ट इसके लिए शराब कारोबारी विजय माल्य के केस का भी उदाहरण देते हैं, जोकि एक गोपनीय मुद्दे की वजह से यूके में बेल पर हैं। माना जा रहा है कि उसने ब्रिटेन में राजनीतिक शरण की मांग की है। भारत लाए जाने के बाद नीरव मोदी किस जेल में रहेगा और कितने नंबर बैरक में रहेगा, उसके आने से पहले ही यह फाइनल हो चुका है। नीरव मोदी को सलाखों के पीछे बंद करने के लिए मुंबई की आर्थर रोड जेल ने एक विशेष सेल तैयार रखा है। उसे बैरक नंबर 12 में मौजूद तीन सेलों में से एक में रखा जाएगा। बता दें कि ऑर्थरल जेल का यह 12 नंबर बैरक काफी हाई सिक्योरिटी वाला बैरक है।

**अच्छी खबर** | **मानसून को लेकर मौसम विज्ञान विभाग ने जारी किया पूर्वानुमान**

## इस साल पूरे देश में होगी झमाझम बारिश

**नई दिल्ली, (एजेंसी)** भारत में कोरोना वायरस कहर के बीच अच्छी खबर है और इस मुश्किल दर में मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) खुशखबरी लेकर आया है। मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार को मानसून को लेकर भविष्यवाणी यानी पूर्वानुमान जारी किया गया और बताया गया कि इस साल मानसून सामान्य रहेगा।

**एग्रीकल्चर प्रोडक्शन को बढ़ाने में मिलेगी मदद :** मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि देश में 75 प्रतिशत से अधिक बारिश लाने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून (मानसून फॉरकास्ट) के इस साल सामान्य रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक अच्छी बारिश हमारे एग्रीकल्चर प्रोडक्शन को बढ़ाने में मदद करेगी।

**98 प्रतिशत तक हो सकती है बारिश:** पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम राजीवन ने बताया कि पांच प्रतिशत कम या ज्यादा के अंतर के साथ दीर्घावधि औसत (लॉग पीरिएड एवरेज) के हिसाब से 98 प्रतिशत बारिश होगी। राजीवन ने डिजिटल तरीके से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जून से सितंबर के बीच चार महीने के दौरान वर्षा के लिए पूर्वानुमान को जारी किया।

**पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य बारिश की संभावना**

मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इस साल पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत सहित ओडिशा, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश और असम में बारिश सामान्य रहने की संभावना है। स्काईमेट की ओर से जारी किए गए पूर्वानुमान में कहा गया था कि इस साल मॉनसून सामान्य रहेगा। जून से सितंबर के बीच 103 बारिश का अनुमान है।

## संक्रमण के तीसरी लहर के चपेट में पाकिस्तान, बीते 24 घंटों में 135 मौतें दर्ज

**इस्लामाबाद।** कोरोना वायरस संक्रमण की तीसरी लहर के चपेट में पाकिस्तान में बीते 24 घंटों के दौरान 135 गई है। यह आंकड़ा फरवरी के अंत में यहां शुरू हुए संक्रमण के तीसरे लहर की शुरुआत के बाद सबसे अधिक है। जारी आधिकारिक आंकड़ें के अनुसार, इससे पहले मंगलवार को सबसे अधिक मौतें 118 दर्ज हुई थी। पिछले साल जून में 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण से 153 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि देश में संक्रमण का तीसरा लहर ब्रिटेन से आए कोरोना वायरस स्ट्रेन के कारण है जो पहले की तुलना में अधिक संक्रामक और खतरनाक है। अब तक देश में कोविड-19 के कारण कुल 15,754 मौतें हो चुकी हैं। वहीं 4,216 संक्रमित की हालत गंभीर है। यह जानकारी देश के स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से दी गई है। बीते 24 घंटों में यहां 4,681 नए मामले सामने आए जिसके बाद अब तक देश में कुल संक्रमितों का आंकड़ा 734,423 हो गया।

मंत्रालय ने बताया कि अब तक देश में 641,912 लोग संक्रमण से स्वस्थ हुए हैं और बीते 24 घंटों में 3,645 संक्रमित स्वस्थ हुए हैं। देश में अभी 75,758 सक्रिय मामले हैं। वहीं पाकिस्तान में अब तक 10,878,086 कोविड टेस्ट हुए है जिसमें 48,092 कोविड टेस्ट बीते 24 घंटों में हुए। देश में संक्रमण दर 9.73 फीसद है। देश के योजना मंत्री असद उमर ने बताया,हर दिन 60-70 हजार वैक्सीन लगाए जा रहे हैं और ईद के बाद इसे बढ़ाने के लिए हमें प्रयास करना होगा। बता दें कि उमर नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर के प्रमुख हैं जो महामारी से निपटने के लिए काम कर रही है। उमर ने आगे बताया कि देश में अभी 0.9 मिलियन वैक्सीन उपलब्ध है और यदि कमिटमेंट के आधार पर लोग वैक्सीन लेना चाहेंगे तो ईद के बाद सभी पाकिस्तानियों को खुराक दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि कैबिनेट से वैक्सीन के लिए 150 मिलियन डॉलर का बजट मंजूर किया गया है। उमर ने आगे बताया कि लोग कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं रहे हैं।

## हांगकांग मामले में विदेशी ताकत न करे हस्तक्षेप, होंगे गंभीर परिणाम; चीन की चेतावनी

**हांग कांग।** हांगकांग को लेकर पश्चिमी देशों व चीन के बीच जारी तनाव के बीच बीजिंग के शीर्ष प्रतिनिधि ने गुरुवार को चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कियेतावा कि यदि वैश्विक आर्थिक केंद्र का इस्तेमाल कठपुतली के तौर पर करने की कोशिश की तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के लिए 'शिक्षण दिवस' के मौके पर चीन के हांगकांग लिएजॉन आफिस के डायरेक्टर लुओ हुइनिंग ने यह बयान दिया।

हांगकांग में अपने कानून लाकर लोकतंत्र की हत्या करने वाले चीन की यह धमकी अमेरिका और पश्चिमी देशों को दी गई है। चीनी अधिकारी ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि विदेशी ताकतें निचले स्तर पर हस्तक्षेप न करें, इसके गंभीर परिणाम होंगे। चीन राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और चुनाव सुधार संबंधी कानून लाकर हांगकांग की स्वतंत्रता पर कब्जा कर रहा है। इसी को लेकर अमेरिका-ब्रिटेन और इनके सहयोगी देशों ने चीन की कड़ी निंदा की है। हांगकांग में चीन के संपर्क कार्यालय के अधिकारी लियो हुईनिंग ने कहा है कि जिन लोगों का विदेशी ताकतों से संपर्क है, उन पर जब भी कठोर कार्रवाई का मौका मिलता है तो कोई रियायत न दी जाए। उन्होंने कहा कि हम हस्तक्षेप के विरोध में ऐसे लोगों को सबक सिखाना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि हांगकांग के प्रत्येक शहर में लोकतंत्र समर्थकों पर अब कार्रवाई हो रही है। चीन के खिलाफ आंदोलन में भाग लेने वालों पर मुकदमे किए जा रहे हैं। तरह-तरह के उत्पीड़न शुरू हो गए हैं।

## तालिबान ने वार्ता से पहले रखी विदेशी सेना वापसी की शर्त, इस्तांबुल में 24 अप्रैल को शांति सम्मेलन की मेजबानी करेगा तुर्की

**काबुल।** तालिबान ने चेतावनी दी है कि वह विदेशी सेनाओं की अफगानिस्तान से वापसी के बाद ही किसी शांति वार्ता में शरीक होगा। अमेरिका ने तालिबान से एक मई तक सेना की वापसी का समझौता किया था। अमेरिका ने तालिबान को संकेत दिया था कि ट्विन टावर पर हमले की 11 सितंबर को 20वीं वर्षगांठ से पहले अमेरिकी सैनिकों की वापसी कर ली जाएगी। इस संकेत के मिलने के बाद तालिबान ने सीधे चेतावनी जारी कर दी है। तालिबानी प्रवक्ता मुहम्मद नईम वारदक ने कहा है कि अफगानिस्तान से विदेशी सेना की वापसी से पहले फिलहाल कोई शांति वार्ता नहीं की जाएगी।

इससे पहले संयुक्त राष्ट्र ने यह घोषणा कर चुका है कि तुर्की के इस्तांबुल में 24 अप्रैल को अफगानिस्तान से संबंधित सभी पक्षों के साथ वार्ता शुरू होगी। यह वार्ता 4 मई तक चलेगी। इस वार्ता में शामिल होने की पुष्टि अफगानिस्तान ने कर दी है, लेकिन तालिबान के भाग लेने की अभी पूरी तरह पुष्टि नहीं हुई है। इधर, अमेरिका ने कहा है कि नाटो की सेना की वापसी भी अमेरिकी सेना के साथ ही होगी। वर्तमान में अफगानिस्तान में अमेरिका के ढाई हजार सैनिकों के साथ ही सात हजार गैर-अमेरिकी सेना है।संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार साल के पहले तीन महीनों में अफगानिस्तान की हिंसा में 573 नागरिक मारे गए और 1210 घायल हो गए। मरने वालों की संख्या पिछले साल की तुलना में 29 फीसद की वृद्धि है। अफगान शांति वार्ता की कोशिशों के बीच हाल ही में हुए एक जनमत सर्वेक्षण ने सबका ध्यान खींचा है। इसके नतीजों को तालिबान के लिए एक झटका माना जा रहा है। स्थानीय रिसर्च एजेंसी पीस एंड डेमोक्रेसी (पीएचडी) की तरफ से कराए गए इस सर्वे में सामने आया कि अफगानिस्तान के 83 फीसद लोग चाहते हैं कि देश में इस्लामी गणतांत्रिक व्यवस्था लागू रहे, लेकिन 90 फीसदी लोगों ने देश के मौजूदा संविधान में आस्था जताई। यहां यह गौर करने वाली बात है कि तालिबान देश के मौजूदा संविधान को स्वीकार करने को तैयार नहीं है।

### यूएई ने सच कबूला: संयुक्त अरब अमीरात के डिप्लोमैट ने कहा-

# भारत और पाकिस्तान के रिश्ते सुधारने में मदद कर रहे हैं, इनके बीच बातचीत बेहद जरूरी

**वाशिंगटन।** संयुक्त अरब अमीरात ने पहली बार आधिकारिक तौर पर यह कबूल किया है कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते सुधारने में मदद कर रहा है। अमेरिका में यूएई के एम्बेसेडर यूसुफ अल ओटायबा ने कहा- हम चाहते हैं कि ये दोनों देश अच्छे दोस्त भले ही न बन सकें, लेकिन कम से कम बातचीत तो शुरू होनी ही चाहिए ताकि इस क्षेत्र में अमन कायम हो सके।

पिछले महीने भारत और पाकिस्तान अचानक एलओसी पर संघर्ष विराम के लिए राजी हुए थे। तब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि यूएई दोनों देशों के बीच बैक डोर डिप्लोमैसी में मदद कर रहा है। हालांकि, यह पहली बार है कि,श्व ने अपनी भूमिका स्वीकार की है।

**गहरी दोस्ती न सही, लेकिन दुश्मनी भी न हो**

यूसुफ ने स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक वर्चुअल

सेशन में शिरकत की। यहां भारत-पाकिस्तान रिश्तों और इनमें यूएई की भूमिका पर सवाल भी पूछे गए। एक सवाल के जवाब में इस डिप्लोमैट ने कहा- दोनों देश एटमी ताकत से लैस हैं। इनके बीच हेल्दी रिलेशन जरूरी हैं। यह जरूरी नहीं कि इन दोनों देशों के बीच गहरी दोस्ती ही हो। लेकिन, कम से कम दुश्मनी नहीं होनी चाहिए। बातचीत जरूरी है।

**दुबई में बातचीत हुई**

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जनवरी में भारत और पाकिस्तान के इंटेलिजेंस अफसरों की दुबई में सीक्रेट मीटिंग हुई थी। इसमें यह सहमति बनी थी कि एलओसी पर फायरिंग बंद होनी चाहिए। सीजफायर होने के बाद यह माना जा रहा है कि दोनों देश जल्द ही अपने हाईकमिश्नर्स को फिर एक-दूसरे के यहां अपॉइंट करेंगे। इस्लामाबाद और नई दिल्ली में 2019 के बाद से हाईकमिश्नर नहीं हैं।

**कट्टरपंथियों से डरती है इमरान सरकार**

पिछले दिनों पाकिस्तान के नए वित्त मंत्री हम्माद अजहर ने भारत से कपास और शक्कर के आयात को मंजूरी दी थी। इन दोनों ही चीजों की वहां बेहद किल्लत है। कॉटन न होने की वजह से टेक्सटाइल इंडस्ट्री बंद होने की कगार पर है। रमजान के पवित्र महीना चल रहा है और पाकिस्तान में इस वक्त शक्कर की कीमत 115 रुपए प्रति किलोग्राम है। बहरहाल हम्माद के ऐलान के अगले ही दिन इमरान सरकार ने इन दोनों चीजों के इम्पोर्ट करने का फैसला वापस ले लिया। पाकिस्तानी मीडिया का कहना है कि 24 घंटे में फैसला बदलने के पीछे कट्टरपंथियों का दबाव था।

**अफगानिस्तान पर नजर**

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऐलान कर दिया है कि 11 सितंबर के पहले अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज वापस बुला ली जाएगी। इससे अफगानिस्तान के भविष्य पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बारे में पूछे गए एक सवाल पर यूएई के एम्बेसेडर ने कहा- अफगानिस्तान के मसले पर सभी की नजर है। पाकिस्तान से भी मदद की उम्मीद है। भारत भी वह बड़ी ताकत है और उसने हालात बेहतर करने में काफी मदद की है। अमेरिका, तालिबान और अफगानिस्तान सरकार के सामने गंभीर चुनौती है। पाकिस्तान बड़ी भूमिका निभा सकता है।

### पाक में फ्रेंच राजदूत को हटाने की मांग

## फ्रांस ने अपने नागरिकों को 3 दिन के अंदर पाकिस्तान छोड़ने को कहा, हिंसा में अब तक 7 लोगों की हो चुकी है मौत

**इस्लामाबाद।** फ्रांस के राजदूत को देश से निकालने की मांग को लेकर पाकिस्तान में कई दिनों से प्रदर्शन हो रहे हैं। 7 लोगों की मौत हो चुकी है और 300 पुलिसकर्मी घायल हैं। इन घटनाओं के बाद फ्रांस ने अपने नागरिकों को 3 दिन के अंदर पाकिस्तान छोड़ने की एडवाइजरी गुरुवार को जारी की है।

पाकिस्तान में स्थित फ्रेंच दूतावास ने कहा कि यहां फ्रांस के खिलाफ विरोध और हिंसक घटनाएं हो रही हैं, इसलिए हम अपने नागरिकों और हमारे देश की कंपनियों को सलाह दे रहे हैं कि इस सप्ताह के आखिर तक फ्रांस लौट जाएं। दूतावास ने फ्रांस के उन सभी लोगों को मेल किया है, जो इस समय पाकिस्तान में हैं।

**पाकिस्तान में फ्रांस के खिलाफ प्रदर्शन कब शुरू हुए?**

पाकिस्तान में फ्रांस के खिलाफ प्रदर्शन तब शुरू हुए थे, जब राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शार्ली हेब्दो मैगजीन में पैगंबर मोहम्मद पर पब्लिश हुए कार्टून का समर्थन किया था। पाकिस्तान सहित कई मुस्लिम देशों ने इसे ईश निंदा मानकर फ्रांस का विरोध



करना शुरू कर दिया था। इन देशों ने फ्रांस के प्रोडक्ट का बायकॉट किया।

पाकिस्तान में इस तरह का विरोध सबसे ज्यादा हो रहा है। यहां साद हुसैन रिजवी नाम के कट्टरपंथी इस्लामिक धर्म गुरु ने फ्रेंच राजनयिक को देश से निकालने के लिए मोर्चा खोला हुआ है। रिजवी की पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के हजारों समर्थक सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

**2000 लोगों हो चुके हैं गिरफ्तार**

इससे पहले पाकिस्तान की सरकार ने बुधवार को साद की पार्टी [illegible] को आतंकी संगठन घोषित कर उस पर बैन लगा दिया था। साद 12 अप्रैल से पुलिस की गिरफ्त में है। रिजवी की गिरफ्तार के बाद पंजाब प्रांत में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। [illegible] समर्थकों की पुलिस से भी झड़प हो चुकी है। इसमें 5 पार्टी समर्थक और 2 पुलिसकर्मियों की मौत हो चुकी है। अब तक 2000 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

**हिंसा के चलते 815 भारतीय सिख फंस गए थे**

बैसाखी पर 12 अप्रैल को भारत से 815 सिखों का जत्था रावलपिंडी के पंजा साहिब गुरुद्वारे के लिए निकला था। 25 बसों में निकला जत्था वाघा बॉर्डर के जरिए पाकिस्तान में दाखिल हुआ था। पाकिस्तान में चल रही हिंसा के कारण जत्थे को 3 घंटे का सफर तय करने में 14 घंटे लग गए।ये जत्था मंगलवार दोपहर को किसी तरह लाहौर के एक गुरुद्वारे पहुंचा। इसके बाद इन्हें पाकिस्तानी रेंजर्स की सुरक्षा में पंजा साहिब गुरुद्वारा पहुंचाया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारतीय सिखों के जत्थे की स्थिति पर सरकार नजर बनाए है। उनकी सुरक्षित वापसी की कोशिश की जा रही है।

## अमेरिका के इंडियानापोलिस में अंधाधुंध फायरिंग, कई लोगों की मौत

**वाशिंगटन।** अमेरिका के इंडियानापोलिस में अंधाधुंध फायरिंग की खबर है जिसमें अनेकों लोगों की मौत हुई है और कई जख्मी हैं। यह जानकारी इंडियानापोलिस मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिपार्टमेंट के प्रवक्ता जेनी कुक ने दी। यह घटना इंडियानापोलिस में मिराबेल रोड 8951 स्थित फेड एक्स फैसिलिटी में हुई। गुरुवार रात को हुई इस फायरिंग



मामले की जांच इंडियानापोलिस मेट्रोलिटन पुलिस डिपार्टमेंट कर रही है। डिपार्टमेंट ने बताया कि जब उनके अधिकारी मौके पर पहुंचे तब उनका शूटर से सामना हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमलावर ने खुद की भी जान ले ली। पिछले माह ही अमेरिका के कोलोराडो प्रांत के बॉल्डर इलाके स्थित एक सुपरमार्केट में फायरिंग की घटना हुई थी जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था और उसकी पहचान अहमद अल अलीवी अलीसा के रूप में की गई।

## कुलभूषण जाधव मामले में पाकिस्तानी हाईकोर्ट की फटकार- भारत को स्थिति स्पष्ट करें इमरान खान

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान के इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि कुलभूषण जाधव केस की सुनवाई न्यायिक क्षेत्राधिकार का मामला नहीं है। हाई कोर्ट ने पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से इस संबंध में भारत के समक्ष स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।पाकिस्तान की जेल में बंद भारत के पूर्व नौसेना अधिकारी कुलभूषण जाधव पर वहां की सैन्य अदालत ने जासूसी का आरोप लगाते हुए मौत की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ भारत ने हेग में



इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस (आइसीजे) में अपील की थी।

जुलाई, 2019 में आइसीजे अपने फैसले में कहा कि पाकिस्तान को जाधव पर लगे आरोपों व सजा पर पुनर्विचार करना चाहिए और भारत को राजनयिक पहुंच दे। पिछले साल पाकिस्तान सरकार ने विशेष अध्यादेश लाकर इस्लामाबाद हाई कोर्ट में मामला दर्ज कराया। इस्लामाबाद हाई कोर्ट का कहना है कि भारत जाधव के लिए अपना वकील नियुक्त करे। वहीं भारत का कहना है कि जाधव मामला इस्लामाबाद हाई कोर्ट के न्यायिक क्षेत्र में नहीं आता है। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि यह मामला न्यायिक क्षेत्र का नहीं है। अदालत ने आइसीजे के फैसले के क्रियान्वयन के लिए इस मामले को अपने हाथ में लिया है। हाई कोर्ट ने पाकिस्तान के अधिकारियों से कहा कि इस संबंध में भारत की गलतफहमी को दूर करे।

## 37 सालों बाद भगवान की मूर्ति आई वापस नेपाल, अमेरिका के म्यूजियम में थी मौजूद

**काठमांडू।** नेपाल के एक मंदिर से वर्ष 1984 में गायब भगवान की मूर्ति अमेरिका के संग्रहालय में रखी हुई थी जिसकी वापसी हो गई है। इसके लिए नेपाल की ओर से अमेरिकी सरकार के पास अपील की गई थी और इसका सबूत भी पेश किया गया था। यह जानकारी नेपाल पर्यटन मंत्रालय के सचिव वाइ पी कोइराला ने दी।

उन्होंने बताया, वर्ष 1984 में नेपाल स्थित पाटन के पटको टोले में धर्मस्थल से गायब भगवान लक्ष्मी नारायण की मूर्ति अपने स्थान पर वापस आ गई है। दरअसल यह डलास के एक संग्रहालय में थी। हमने उन्हें इसका सबूत पेश किया। इसके बाद अमेरिका की सरकार इसकी वापसी को लेकर सहमत हुई।

नेपाल द्वारा अमेरिका को यह सबूत पेश किया गया कि भगवान की यह मूर्ति उनकी है तब जाकर पिछले माह अमेरिका ने नेपाली दूतावास को यह सौंपा। नेपाल कल्चर सेक्रेटरी यादव प्रसाद कोइराला ने बताया, डलास संग्रहालय में रखी गई यह मूर्ति के लिए हमारी अमेरिकी अधिकारियों के साथ चार बार बैठक




हुई और तब जाकर हमारे सबूतों पर उन्होंने मुहर लगाई और मूर्ति को आधिकारिक तौर पर सौंप दिया। बता दें कि नेपाल में भगवान के इस मूर्ति की पूजा करीब 800 सालों तक हुई जिसके बाद यह गायब हो गई थी।वर्ष 1990 में 12वीं सदी की यह मूर्ति जिसे वासदेव कमला के नाम से भी जानते हैं न्यूयार्क के सोथबे नीलामी घर में देखी गई।

जिसके बाद यह फिर से लापता हो गई और गूगल इमेज सर्च के जरिए अमेरिकी आर्टिस्ट ने इसका पता लगाया कि ये डलास म्यूजियम ऑफ आर्ट में है।

# शंघाई शिपयार्ड में बन रहा चीन का सबसे बड़ा एयरक्राफ्ट कैरियर, आधे से अधिक बनकर तैयार

**पेरिस।** चीन अपनी नेवी को अत्याधुनिक बनाने के लिए तेजी से कदम आगे बढ़ा रहा है। बीते कुछ वर्षों में वो एक एयरक्राफ्ट कैरियर और सबमरीन को समुद्र में उतार चुका है। इसके अलावा स्वदेशी तकनीक से बना फाइटर जेट भी वो वायु सेना को सौंप चुका है। पीएलए नेवी की ही बात करें तो मौजूदा समय में चीन के पास में दो एयरक्राफ्ट कैरियर मौजूद हैं, जबकि एक पर तेजी से काम चल रहा है। ये का ये एयरक्राफ्ट कैरियर शुरुआती दोनों से अधिक बड़ा और ज्यादा आधुनिक है। फ्रांस की नेवल न्यूज के मुताबिक हाई रिजोल्यूशन इमेज में पता लगा है कि इसका काम आधे से अधिक हो चुका है।

खबर के मुताबिक ये एयरक्राफ्ट कैरियर टाइप 003 क्लास का है, जिसका निर्माण बेहद तेज गति से शंघाई के झिआंगनान शिपयार्ड में हो रहा है। ये अब तक का चीन का सबसे बड़ा



एयरक्राफ्ट कैरियर है। खबर के मुताबिक CATOBAR कंफीगिरेशन वाला ये एयरक्राफ्ट अधिक वजनी और बड़े विमानों के उतरने में भी मददगार साबित होगा। इससे केटापुल की मदद विमानों को गति दी जा सकेगी और अरेस्टर गियर से उन्हें रोका जा सकेगा।

इस लिहाज से ये एयरक्राफ्ट कैरियर पहले से कहीं अधिक बेहतर होगा।

टाइप 003 एयरक्राफ्ट की बात करें तो ये अमेरिकी नेवी के सुपर कैरियर की ही बराबर बड़ा होगा। इसका फ्लाइट डेक पहले से अधिक बड़ा होगा। नेवल न्यूज ने लिखा है कि इसमें और अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर में काफी कुछ चीजें समान होंगी। हालांकि सबसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर के रूप में अमेरिका का राज कायम रहेगा लेकिन ये उस खिताब से अधिक दूर भी नहीं होगा। खबर में यहां तक कहा गया है कम से कम पांग कैरियर के बन जाने तक तो ऐसी ही स्थिति कायम रहेगी। आपको बता दें कि फ्रांस भी अपनी नेवी को अत्याधुनिक रूप देने के लिए पांग प्रोजेक्ट की शुरुआत कर चुका है। हाल ही में इसको फ्रांस के राष्ट्रपति ने ग्रीन सिग्नल दिया है। 2038 तक फ्रांस के चार्ल्स डे गुले को इस प्रोजेक्ट के तहत बनने वाले एयरक्राफ्ट कैरियर से बदल दिया जाएगा। ये एयरक्राफ्ट कैरियर न्यूक्लियर पावर से संचालित होगा।

सेटेलाइट इमेज से मिली जानकारी के मुताबिक चीन का एयरक्राफ्ट कैरियर करीब 300 मीटर (985 फीट) लंबा होगा। इसकी ये लंबाई फोर्ड क्लास कैरियर से कुछ ही छोटी है। फोर्ड क्लास के कैरियर की लंबाई करीब 317 मीटर है। लेकिन ये चीन फ क 001 लियाओनिंग और 002 शानडॉन्ग, जो कि 270 मीटर लंबे हैं, से अधिक होगी। आपको बता दें के केटापुल की मदद से किसी भी फाइटर जेट को शॉर्ट टेक-ऑफ और उतरने में मदद मिलती है। तकनीकी भाषा में इसको स्टोबार ([illegible]) कहा जाता है। बिना इस तकनीक के केजे-600 विमानों को एयरक्राफ्ट कैरियर से संचालित नहीं किया जा सकता है। इस कैरियर पर एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम एंड कंट्रोल भी होगा।

खबर में बताया गया है कि चीन के इस एयरक्राफ्ट कैरियर और फ्रांस के कैरियर में यही फर्क होगा कि ये न्यूक्लियर पावर नहीं होगा। इसमें सोवियत जमाने के प्रपल्शन सिस्टम से अधिक बेहद सिस्टम लगा होगा। इसमें इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रिक प्रपल्शन सिस्टम भी हो सकता है। हालांकि न्यूक्लियर पावर न होने की वजह से इसकी अपनी सीमाएं होंगी।

## अमेरिका ने 10 रूसी राजनयिकों को निकाला, प्रतिबंध लगाए; राष्ट्रपति चुनावों में हस्तक्षेप का आरोप

**वाशिंगटन।** जो बाइडन प्रशासन ने 10 रूसी राजनयिकों के निष्कासन और रूस के करीब तीन दर्जन लोगों और कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा की। अमेरिका ने पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनावों में हस्तक्षेप करने और संघीय एजेंसियों में सेंधमारी करने के लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की दिशा में कार्रवाई की है। कई सप्ताह से अमेरिका द्वारा इस तरह की कार्रवाई होने का पूर्वाभास था।

अमेरिका द्वारा चुनाव में हस्तक्षेप और हैकिंग को लेकर जवाबी कार्रवाई करते हुए रूस के खिलाफ पहली बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। माना जाता है कि रूसी सेंधमारों ने व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर में सेंधमारी की थी ताकि वे कम से कम नौ एजेंसियों के नेटवर्कों को हैक कर सकें और अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि उन्होंने अमेरिकी सरकार की गुप्त जानकारी जुटाने की कोशिश की।

### वीकेंड कर्फ्यू के दौरान एग्जाम देने वालों के लिए राहत

# ई-पास की नहीं होगी जरूरत

## 15 मिनट के अंतराल से चलेगी मेट्रो

परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को भी वैध पहचान पत्र दिखाने पर होगी आवाजाही की अनुमति

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।**

दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण यानी दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (डीडीएमए ) ने शुक्रवार को अपने एक आदेश में कहा कि इस वीकेंड एग्जाम देने वालों को कर्फ्यू ई-पास की जरूरत नहीं होगी। शहर में कोरोना वायरस संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के लक्ष्य से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कुछ पाबंदियों की घोषणा की जिसमें वीकेंड पर कर्फ्यू और 30 अप्रैल तक सभी मॉल, जिम और सभागार बंद करने की बात कही गई है।

डीडीएमए ने निर्देश दिया कि 'वैध पहचान पत्र दिखाने वाले किसी भी व्यक्ति/छात्र को परीक्षा में शामिल होने के लिए कर्फ्यू के दौरान आने-जाने की अनुमति होगी।' उन्हें इसके लिए ई-पास की जरूरत नहीं होगी। आदेश के अनुसार, 'परीक्षा ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों को भी वैध पहचान पत्र दिखाने पर आवाजाही की अनुमति होगी।' वीकेंड कर्फ्यू के दौरान एग्जाम देने वालों के लिए एक और जरूरी खबर है। अगर आप मेट्रो से एग्जाम सेंटर पहुंचने का प्लान बनाए हैं तो घर से समय से निकलें क्योंकि शनिवार और रविवार को मेट्रो ट्रेनें 15 मिनट के अंतराल पर चलेंगी। बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आदेश के अनुसार, वीकेंड पर कर्फ्यू शुक्रवार 16 अप्रैल रात 10 बजे से सोमवार, 19 अप्रैल सुबह पांच बजे तक लागू रहेगा। इस दौरान सिर्फ जरूरी सेवाओं और काम के लिए ही घर से बाहर आने-जाने की इजाजत होगी। जिन सेवाओं को छूट मिली है, उन्हें इसके लिए कर्फ्यू-ई पास बनवाना होगा।

## दिल्ली पुलिस ने किया आगाह

### नियम तोड़े तो गिरफ्तारी भी संभव

**नई दिल्ली।** दिल्ली में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने गुरुवार को वीकेंड कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया था। शनिवार और रविवार को दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लागू रहेगा। इस दौरान जरूरी सेवाओं की इजाजत तो रहेगी, पर जो लोग गैर जरूरी काम से बाहर निकलेंगे पुलिस उन पर सख्त कार्रवाई करेगी। दिल्ली पुलिस के कमिश्नर एस.एन श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस कड़ी कार्रवाई करते हुए नियम तोड़ने वालों की गिरफ्तारी भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि घर से निकलने वाले किसी भी शख्स का अगर पुलिस से सामना हुआ तो उसे ये साबित करना होगा कि वो जरूरी काम से ही निकला है, वरना उसे आगे जाने नहीं दिया जाएगा।

# दिल्ली में मौसम ने ली करवट

### तेज आंधी के बाद आई बारिश

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।**

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार शाम को मौसम के अचानक करवट बदलने से तेज आंधी के बाद आई बारिश ने लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत दी है। दिल्ली में शुक्रवार को बादल छाए रहने और तेज हवाएं चलने से तापमान में कुछ डिग्री की गिरावट दर्ज गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अब से कुछ देर पहले ट्वीट कर दिल्ली, बहादुरगढ़, गुरुग्राम, मानेसर, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, लाहौर, हिंडन एएफ स्टेशन, गाजियाबाद में 30 से 50 किमी प्रति घंटे की गति के साथ हवाएं चलने और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया था। दिल्ली में शुक्रवार को सुबह न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान करीब 38 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

राजधानी में गुरुवार को अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था जो इस मौसम में अब तक का सर्वाधिक तापमान है। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 21.5 डिग्री सेल्सियस रहा था। आईएमडी ने बताया कि अगले पांच छह दिन तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहने का अनुमान है।

## एक नजर

### दिल्ली निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड बनाए वेबसाइट

**नई दिल्ली।** निर्माण मजदूर अधिकार अभियान ने दिल्ली में निर्माण मजदूरों के पंजीकरण की प्रक्रिया सरल बनाने की मांग करते हुए कहा है कि निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड को अपनी अलग वेबसाइट बनानी चाहिए और उस पर समस्त जानकारी उपलब्ध करानी चाहिए। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश पर आयोजित सचिव सह आयुक्त (श्रम) की अध्यक्षता में निर्माण मजदूर कल्याण बोर्ड की बैठक श्रम विभाग के मुख्यालय में आयोजित हुई। इस बैठक में निर्माण मजदूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि पंजीकरण का आवेदन पत्र सरल, सुगम होना चाहिये जैसे ऑनलाइन आवेदन करने से पहले फॉर्म लिया जाता था। समस्त पंजीकृत मजदूरों को बोर्ड का पहचान पत्र सह पासबुक दिया जाना चाहिये। इसके अलावा दिल्ली में बोर्ड की अपनी वेबसाइट होनी चाहिये जिसमें समस्त जानकारी दर्ज होनी चाहिये। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब एवं अन्य राज्यों के बोर्ड की वेबसाइट पर ऐसी जानकारी उपलब्ध हैं।

### वेव सिटी ने लांच की अत्याधुनिक लक्ज़री रिहायशी परियोजना

**नई दिल्ली!** गाज़ियाबाद में स्थित भारत के सबसे बड़े स्मार्ट सिटीज़ में से एक वेव सिटी ने लक्ज़री रियल-एस्टेट सेगमेन्ट में एक और शानदार परियोजना 'वेरिडिया' का लांन्च किया है। ओकवुड एन्क्लेव में 24.47 एकड़ में फैली इस परियोजना में स्टिल्ट् 6 फ्लोर्स के 4 बीएचके और 5 बीएचके स्कायविलाज हैं, जो सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं जैस होम ऑटोमेशन और सन-लिट फ्लोर, यहां धूप और बेहतरीन वेंटीलेशन है तथा परियोजना को हरित इमारत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। परियोजना आधुनिक आर्कीटेक्च र और नए दौर के भारतीयों के लिए सतत विकास का बेहतरीन संयोजन है। परियोजना एक उत्कृष्ट लोकेशन पर स्थित है जो दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से मात्र आधे घण्टे की ड्राइव पर मौजूद है।

### मास्क एवं सैनिटाइजर का किया मुफ्त वितरण

**नई दिल्ली।** प्रीत विहार के पूर्व निगम पार्षद एवं जिला कृष्णा नगर कमेटी के पूर्व निगम पार्षद गुरचरन सिंह राजू के पुत्र हरप्रीत सिंह पिछले एक सप्ताह से बड़े पैमाने पर मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण कर रहे हैं। हरप्रीत सिंह को समाज सेवा की भावना अपने पिता से विरासत में मिली। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में समाज को सुरक्षित रखने के लिए प्राथमिक सतर्कता मास्क पहनने एवं सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने की होती है, इसलिए पिछले एक सप्ताह से दिल्ली के हर कोने पर यह वितरित कर रहे हैं।

# आईआईटी दिल्ली में भी कोरोना के मामले

## छात्रों को घर जाने की सलाह

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में छात्रों, शोधकर्ताओं व यहां के कर्मचारियों में भी कोविड संक्रमण के मामले सामने आए हैं। कोविड-19 से उपजी स्थिति को देखते हुए संस्थान ने हॉस्टल में रह रहे छात्रों को घर जाने की सलाह दी है।

ज्ञात हो कि आईआईटी दिल्ली में 2000 छात्र इस समय रह रहे हैं। इनकी कक्षाएं ऑनलाइन चल रही हैं, लेकिन लैब के प्रयोग के लिए यह कैंपस में आए हैं। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. राम गोपाल राव ने बताया कि संक्रमण के यहां भी कर्मचारी व छात्र प्रभावित हैं, लेकिन उनकी संख्या कम है। फिर भी हम लोगों ने छात्रों को यह

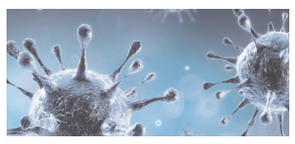

सलाह दी है कि यदि वह अपने घर जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं। आमतौर से क्वारंटाइन और अन्य दिक्कतें छात्रों के समक्ष आ रही हैं। हालांकि छात्रों का हॉस्टल छोड़कर घर जाने की बाध्यता नहीं है। यह सलाह है और यह ऐच्छिक है। ज्ञात हो कि राजधानी के लगभग सभी विश्वविद्यालयों में कोविड के मामले बढ़ते जा रहे हैं। यही स्थिति कॉलेजों के कर्मचारी और शिक्षकों की भी है। कई संस्थान अपने यहां कोविड वैक्सिनेशन का कैंप लगाकर अपने कर्मचारियों को वैक्सीन लगवा रहे हैं ।

### कम पड़ने लगे बेड

दिल्ली में कोविड महामारी ने भयावह रूप अख्तियार कर लिया है। मरीजों की तादाद में बेतहाशा वृद्धि के कारण यहां के अस्पतालों में कोविड स्पेशल बेड की कमी होने लगी है। हालत यहां तक पहुंच चुकी है कि एक बेड पर दो-दो मरीजों को रखना पड़ रहा है। दिल्ली के मशहूर एलएनजेपी अस्पताल का दृश्य देखकर आप समझ जाएंगे कि अगर तेजी से बेड नहीं बढ़ाए गए तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं।

# अगले कुछ दिनों में बढ़ेंगे एक हजार ऑक्सीजन बेड

### केजरीवाल बोले, ऐप पर सही जानकारी दें अस्पताल

**नई दिल्ली (आनंद राय) ।**

राजधानी दिल्ली में बेकाबू होते कोरोना के हालात के बीच स्थिति और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा शुक्रवार बुलाई गई एक अहम बैठक के बाद केजरीवाल ने कहा कि अस्पतालों के अंदर अगले कुछ दिनों में एक हजार ऑक्सीजन बेड और बढ़ाए जाएंगे।

हर जिले में एक हजार बेड होंगे और डीएम नोडल अधिकारी होंगे। केजरीवाल ने सभी जिलाधिकारियों को ऑक्सीजन बेड बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि बेड की उपलब्धता के बारे में जनता तक सही जानकारी सुनिश्चित हो सके और राज्य सरकार की टीमें कोविड मरीजों की जांच घर पर ही कर सकें और उन्हें ऑक्सीमीटर उपलब्ध करा सकें। मुख्यमंत्री ने सभी अस्पतालों को ऐप पर

बेड्स की सही जानकारी देने को भी कहा है। इसके साथ ही उन्होंने होम आइसोलेशन वाले मरीजों तक जल्द से जल्द मदद पहुंचाने के आदेश दिए हैं।

इससे पहले %आप% सरकार ने आज राज्य में कोरोना को काबू करने के लिए उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। सिसोदिया अब कोविड-19 प्रबंधन के लिए नोडल मंत्री के रूप में कार्य करेंगे और अगले आदेश तक अंतर-मंत्रालयी समन्वय की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

### सिसोदिया बने कोरोना प्रबंधन के नोडल मंत्री

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को अहम जिम्मेदारी देते हुए राजधानी में तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कोविड-19 प्रबंधन का नोडल मंत्री नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस संबंध में एक आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके मुताबिक श्री सिसोदिया अब राजधानी में कोविड-19 प्रबंधन के लिए नोडल मंत्री के रूप में कार्य करेंगे और अगले आदेश तक अंतर-मंत्रालयी समन्वय की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

# राजधानी में 59 फीसदी लोग चाहते हैं तीन हफ्ते का लॉकडाउन : सर्वे

**एजेंसी**

**नई दिल्ली ।** राजधानी में कोरोना संक्रमण के मामले 24 घंटे में 19 हजार को पार कर गए हैं। ऐसे में एक ऑनलाइन सर्वे में हिस्सा लेने वाले 59 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि इस समय तीन हफ्ते का लॉकडाउन लगाना चाहिए।

लोकल सर्कल के मार्च में हुए इसी तरह के सर्वे में ऐसे लोगों की संख्या महज 16 प्रतिशत थी। यानी कोविड के बढ़ते संक्रमण के साथ लॉकडाउन लोगों को बीमारी से बचने का विकल्प दिखने लगा है। लोकल सर्कल ने अपने इस सर्वे के आंकड़े उपराज्यपाल अनिल बैजल, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ऑफिस में भिजवा दी हैं, ताकि उन्हें जनता की राय पता चल सके। लोकल सर्कल के मुताबिक, पिछले तीन दिनों के दौरान कोरोना के संक्रमण में 4200 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। 15 मार्च को राजधानी में कोविड संक्रमण के 400 मामले सामने आए थे जो 14 अप्रैल को बढ़कर 17282 पर पहुंच गए हैं। पॉजिटिविटी रेट भी 15.92 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह राजधानी में अब तक का सबसे अधिक पॉजिटिविटी रेट है। जबकि स्थिति यह है कि मौजूदा समय में 91.92 प्रतिशत वेंटीलेटर बेड भरे हुए हैं। राजधानी में 1226 बेड में सिर्फ 99 उपलब्ध हैं। इस स्थिति के बीच लोकल सर्कल ने लोगों की राय जानने के लिए यह सर्वे किया। इस सर्वे में राजधानी के 11 जिलों के 8000 लोगों ने हिस्सा लिया। इन लोगों में से 59 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बढ़ते मामलों को देखते हुए लॉकडाउन लगाना ही इस समस्या का हल है। लोकल सर्कल ने पूछा कि तीन हफ्ते का लॉकडाउन लगे तो क्या लोग उसके सपोर्ट करेंगे? इसके जवाब में 59 प्रतिशत लोगों ने कहा कि हां। जबकि 36 प्रतिशत लोगों ने नहीं में जवाब दिया। अन्य 5 प्रतिशत ने कुछ नहीं कहा। जबकि मार्च के अंत में इसी तरह लोकल सर्कल के सर्वे में महज 16 प्रतिशत लोग लॉकडाउन के पक्ष में थे।

कोविड-19 पीड़ितों के शवों के साथ एम्बुलेंस गाजियाबाद के एक श्मशान में इंतज़ार करती हुई।

# स्वास्थ्य मंत्री ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का किया दौरा

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।**

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने शुक्रवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया और राजधानी में हाल में कोविड मामलों में वृद्धि को देखते हुए तैयारियों की समीक्षा की। डॉ हर्षवर्धन ने एम्स के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (जेपीएनएटीसी) में मरीजों का हालचाल भी पूछा। उन्होंने मरीजों को बेहतरीन देखभाल का आश्वासन दिया। उन्होंने कोविड और गैर-कोविड चिकित्सा में लगे विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ सामान्य/आईसीयू वार्डों में बेड/ऑक्सीजन युक्त बेड की उपलब्धता पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में अपने वर्तमान कर्तव्यों को पूरा करने में विभाग प्रमुखों और उनके सहयोगियों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर भी गौर किया गया। कोरोना योद्धाओं के योगदान की प्रशंसा करते हुए डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि संक्रामक बीमारी के आधार के साथ आगे का कार्य तुलनात्मक रूप से आसान होगा।

उन्होंने कहा, मुझे यह जानकर खुशी है कि हमारे योद्धा न केवल जागरुक हैं बल्कि वर्तमान स्थिति से चिंतित भी हैं। मैं वर्तमान स्थिति पर चर्चा करने के लिए यहां आया हूं और भविष्य का परिदृश्य क्या हो सकता है ताकि हम पिछले साल की तरह अति-सक्रिय, सबसे पहले और क्रमिक प्रतिक्रिया अपना सकें। ऐसा नहीं है कि हमने 2020 में समस्याओं का सामना नहीं किया है, लेकिन, 2021 में, हमारे पास पिछले वर्ष की

तुलना में बीमारी के बारे में अधिक ज्ञान और समझ एवं अधिक अनुभव है। पिछले साल, आपने न केवल यहां के मरीजों की बल्कि पूरे देश में साथी डॉक्टरों की टेलीकंस्लटेशन के माध्यम से मदद की। उन्होंने कहा, मुझे पांच अप्रैल 2020 को हमारी स्थिति याद है, जब हमारे पास पीपीई किट, वेंटिलेटर और एन-95 मास्क नहीं थे। स्वास्थ्य ढांचे की कथित कमी के लिए दुनिया भर में हमारी अनुचित आलोचना हुई। बुनियादी ढांचे और उत्पादन क्षमताओं के महत्वपूर्ण विस्तार के साथ, हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। हमने वायरस को तब हराया जब हमें इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी और अपने एक साल के अनुभव से इसे दोबारा हरा सकते हैं। महामारी के समय गैर-कोविड मरीजों को देखने के महत्व पर, डॉ. हर्षवर्धन ने कहा, हमें गैर-कोविड रोगों के बारे में भी सोचना होगा। हमें उपेक्षा नहीं करनी चाहिए और उनके उपचार को प्रभावित नहीं होने देना चाहिए। अब हम सभी उपायों से लैस हैं, हमें वर्तमान दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति से निपटने के बारे में सोचने की जरूरत है। हमें नये मॉडल विकसित करने के बारे में सोचने की जरूरत है, जिन्हें देश के अन्य हिस्सों में लागू कर दोहराया जा सके। मैं आप सभी को गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रदान करना चाहता हूं। मैं इसे लागू करने में आपकी मदद करने की पूरी कोशिश करूंगा। देश को आपसे बहुत उम्मीदें हैं। डॉ. हर्षवर्धन ने बाद में मीडिया से भी बातचीत में कहा, इस समय हमारी सबसे बड़ी लड़ाई लोगों को कोविड से निपटने के बारे में उचित व्यवहार सिखाने की है। लोगों ने लापरवाहीपूर्ण तरीका अपनाया है जो बहुत खतरनाक है। कोविड संबंधी उचित व्यवहार सबसे बड़ा सामाजिक उपकरण है जिससे हम संचरण की श्रृंखला को तोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, भारत में 52 जिले हैं जहां से पिछले सात दिन में कोई नया केस नहीं आया है। 34 जिलों से पिछले 14 दिन में, चार जिलों से पिछले 21 दिन में और 44 जिलों से पिछले 28 दिन में कोई मामला सामने नहीं आया है। उन्होंने रेमेडेसिवर और इटोलिजुमाब जैसी दवाओं की कालाबाजारी को रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की भी जानकारी दी।

### दिल्ली में 19,486 नए मामले समाने आए

**दिल्ली में पिछले 24 घंटों में 19,486 नए कोरोना के मामले आए हैं। इस दौरान 141 मौतें और 12,649 रिकवरी दर्ज़ की गई। इस समय कुल मामले 8,03,623 हो चुके हैं। दिल्ली में सक्रिय मामले 61,005 हैं।**

# संपादकीय

## निशाने पर आया उनका नाचना

तीन दिन पहले केरल में सोशल मीडिया पर अचानक से उथल-पुथल मच गई, जब दो मेडिकल छात्रों ने बोनी एम के सदाबहार गीत रसपुतिन पर शानदार डांस पेश किया। उनका वीडियो जल्द ही 'स्टेप अगेंस्ट हेट्रड' और 'स्टेप विद रसपुतिन' हैशटैग के साथ ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ट्रेंड करने लगा। यह कुछ राजनीतिक दलों द्वारा सूबे में की जा रही नफरत भरी सियासत से लड़ने का उनका अपना तरीका था। मगर त्रिशूर मेडिकल कॉलेज के इन छात्रों के नृत्य को जहां अधिकांश लोग पसंद कर रहे थे, एक दक्षिणपंथ समर्थक ने उनको निशाना बनाना शुरू किया। उसने बताया कि इन दोनों का पूरा नाम है- जानकी ओमकुमार और नवीन रज्जाक, और परोक्ष रूप से उसने इसे 'लव जेहाद' से जोड़ दिया। मेडिकल छात्रों ने घृणा फैलाने की इस कोशिश का जवाब और अधिक वीडियो जारी करके दिया। इस बार सर्जिकल मास्क पहनकर कई छात्रों ने वीडियो में दिखाए गए 'डांस मूव्स' की नकल की।

कॉलेज के फेसबुक पेज पर लिखा गया, 'अगर आप नफरत फैलाने की योजना बना रहे हैं, तो हम इसका खुलकर विरोध करेंगे'। कोचीन के इंजीनियरिंग कॉलेज की एसएफआई (माकपा का छात्र संगठन) इकाई ने तो बाकायदा एक नृत्य प्रतियोगिता की घोषणा 'देयर इज समथिंग रांग' (वहां कुछ तो गड़बड़ है) थीम के साथ की। ऐसा इसलिए, क्योंकि उस दक्षिणपंथ समर्थक ने इन्हीं शब्दों का इस्तेमाल यह बताते हुए किया था कि एक हिंदू लड़की एक मुस्लिम लड़के के साथ नृत्य कर रही है। वकील भी इस मुहिम में शामिल हो गए और उन्होंने डांस मूव्स की नकल करते हुए अपने वीडियो जारी किए। और इस तरह जल्द ही, सोशल मीडिया इस तरह के डांस वीडियो से भर गया। 'लव जेहाद' देश के उत्तरी हिस्सों में खासा चर्चित अवधारणा है, जिसमें माना जाता है कि मुस्लिम युवक हिंदू लड़कियों को अपने प्रेम-जाल में फंसाते हैं और फिर उनसे निकाह करके उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराते हैं। हिंदुत्ववादियों का मानना है कि इसका मकसद पूरे देश की जनसांख्यिकी को बदलना है। उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में तो लव जेहाद के खिलाफ कानून भी बनाया गया है। कुछ नेता चुनावी सभाओं में उत्साहपूर्वक इस कानून का प्रचार भी करते रहे हैं। ऐसे नेताओं ने केरल की वाम मोर्चा सरकार को राज्य में बढ़ती ऐसी घटनाओं की अनदेखी करने और लव जेहाद के खिलाफ कानून न लाने के लिए आड़े हाथों लिया। हाल के विधानसभा चुनाव में केरल में लव जेहाद को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश की गई, लेकिन इसमें एक ट्विस्ट था। यह लव जेहाद था, जिसे कथित रूप से मुसलमानों ने हिंदुओं के खिलाफ नहीं, बल्कि ईसाइयों के खिलाफ छेड़ा था। रूढ़िवादी ईसाइयों ने इसकी आशंका जताई थी। दरअसल, एक साल पहले केरल के सबसे बड़े चर्च में से एक सायरो-मालाबार ने बयान जारी करके चिंता जाहिर की थी कि मुस्लिम लड़के लव जेहाद कर ईसाई लड़कियों से खेल रहे हैं। राजनेता पूरे चुनाव प्रचार में यही रटते रहे।

बेशक देश के उत्तरी हिस्सों में लव जेहाद एक सामान्य बात हो, लेकिन केरल में 2009 के आस-पास पहली बार इसका प्रयोग किया गया था, जब भगवा दल, वामपंथ (एलडीएफ इसका प्रतिनिधित्व करता है) और कांग्रेस (यूडीएफ इसकी अगुवाई करता है) के साथ विचारधारा की कटु लड़ाई में उलझा था। चर्च ने दावा किया था कि लव जेहाद के मामलों में अचानक से तेजी आई है और इसे राज्य सरकार के संज्ञान में लाया गया था, मगर उसने इस पर कान नहीं दिया। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने भी इस मसले को उठाया और केंद्रीय गृह मंत्रालय को लिखा कि पूरे मामले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से तहकीकात होनी चाहिए, क्योंकि यह आतंकवाद से जुड़ा मामला है। हालांकि, सूबे की सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि राज्य में मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए दक्षिणपंथी पार्टी यह कीचड़ उछाल राजनीति कर रही है। केरल की काफी अलग जन-सांख्यिकी है। यहां 55 फीसदी हिंदू हैं, 26 फीसदी मुस्लिम और शेष 19 फीसदी ईसाई। एलडीएफ की ऊंची जाति के हिंदू नायर और ओबीसी एझावा में गहरी पैठ है, जबकि यूडीएफ का आधार ईसाई और मुस्लिम हैं। केरल का मध्य हिस्सा, जो ईसाई बहुल है, मौजूदा विधानसभा चुनाव में खासा महत्वपूर्ण हो गया, क्योंकि केरल कांग्रेस (एम) के एक प्रभावशाली गुट ने यूडीएफ को छोड़कर एलडीएफ का दामन थाम लिया है और समुदायों के इस महीन ताने-बाने को झकझोर दिया था।

चर्च के नेतृत्व ने लव जेहाद का मसला जरूर उठाया था, पर वे चिंतित थे कि एलडीएफ और यूडीएफ, दोनों के कर्ताधर्ता इस पर उनका साथ नहीं दे रहे हैं। वह राज्य के मुस्लिम नेतृत्व के एक वर्ग द्वारा तुर्की के ऐतिहासिक हागिया सोफिया को मस्जिद में बदले जाने का समर्थन करने से भी परेशान थे। एलडीएफ और यूडीएफ, दोनों अब भी कमोबेश चुप हैं, क्योंकि उन्हें अपने मुस्लिम मतदाताओं के छिटकने का डर था। इसके अलावा, वे इस बात से चिंतित थे कि यह मसला तूल पकड़ रहा है और भाजपा इसमें कूद गई है। भाजपा ने अपने चुनावी घोषणापत्र में लव जेहाद के खिलाफ कानून बनाने का वादा किया है। भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तो इस विषय पर कानून बना चुके हैं, जो मूल रूप से जबरन धर्मांतरण के खिलाफ हैं, लेकिन समाचार रिपोर्टों में कहा गया है कि ये कानून राज्य के दमन का हिस्सा हैं और ये अंतर-धार्मिक विवाह को कमजोर करते हैं। केंद्र सरकार इस विषय में साफ कर चुकी है कि ऐसा कोई देशव्यापी कानून बनाने की उसकी कोई योजना नहीं है, और ये कानून विशुद्ध रूप से राज्य के विषय हैं। बहरहाल, लव जेहाद का मसला चुनावों में तो खूब सुर्खियां पाता है, लेकिन संगठित रूप से धर्मांतरण के नाममात्र के सुबूत हैं। केरल के हादिया मामले में भी, जिसे लव जेहाद कहा गया था, सर्वोच्च अदालत को जबरन धर्मांतरण का कोई सुबूत नहीं मिला था। कई तथ्यों से यह भी कहा जाता है कि उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश सरकारें तक व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण का कोई सुबूत नहीं दे पाई हैं। यानी, यह मसला चुनावों में अधिक से अधिक नफरत भरा अभियान ही साबित हुआ है।

**प्रवीण कुमार सिंह**

# राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा हैं रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठिए

**इन्होंने अपने वास्तविक मंसूबों को छिपाते हुए भारतीय मुसलमानों को नागरिकता छिनने का डर दिखाया और उन्हें भड़काया। यह सब हिंदुओं के बाद भारत के 'दूसरे बहुसंख्यक' समुदाय मुसलमानों की एकमुश्त वोट मुट्ठी में करने की जुगत थी। आजादी से लेकर आज तक कई राजनीतिक दल और अनेक झोला छाप स्वघोषित स्वयंसेवी संगठन इन तथाकथित 'अल्पसंख्यकों' के हिमायती दिखकर ही अपना उल्लू सीधा करते रहे हैं। कल को अगर चीन के उइगर मुसलमान भी भारत में घुसपैठ करते हैं, तो भी ये लोग उनकी हिमायत करने में हिचकेंगे नहीं।**

जम्मू में रोहिंग्याओं की संख्या को बढ़ाने की साजिश पिछले करीब एक दशक से जारी है। दरअसल यह हिंदू बहुल 'जम्मू संभाग की जनसांख्यिकी को बदलने' की साजिश का परिणाम है। इस योजना के तहत बांग्लादेशी घुसपैठियों और घाटी के मुसलमानों को भी जम्मू में बसाया गया। उन्हें रोशनी एक्ट की आड़ में भूमि आवंटित की गई और मतदाता बनाया गया, ताकि चुनावी समीकरणों को प्रभावित किया जा सके। रोहिंग्या घुसपैठियों को राजनीतिक प्रश्रय देकर बंगाल में भी बड़ी संख्या में बसाया गया। अब वहां चुनावी फसल काटने की तैयारी है। इसलिए ममता बनर्जी ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों आदि सभी अल्पसंख्यकों (मुस्लिमों) से एकजुट होकर तृणमूल को मत देने की अपील की है। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद घुसपैठ की आशंका फिर बढ़ गई है। हैरानी यह है कि इस पृष्ठभूमि में गृह मंत्रलय द्वारा पिछले माह मिजोरम, मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश को जारी की गई एडवाइजरी को नजरअंदाज करते हुए मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथंगा ने 'शरणार्थियों' को शरण देने की वकालत की है। जम्मू की ही तरह दिल्ली में भी अनेक जगहों पर बसे हुए घुसपैठियों की जांच-पड़ताल और धरपकड़ शुरू हुई है। उल्लेखनीय है कि ये वही रोहिंग्या हैं जिन्होंने अपनी नृशंसता से म्यांमार के रखाइन प्रांत को हिंदू-विहीन कर दिया है।

सख्त कार्रवाई का समय = जम्मू-कश्मीर और दिल्ली प्रशासन ने अब इन अवैध घुसपैठियों की बायोमीटिक, फिंगरप्रिंट, पासपोर्ट, शरणार्थी कार्ड आदि की जानकारी जुटाना शुरू किया है। यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्रलय के आठ अगस्त 2017 को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे पत्र का संज्ञान लेकर की गई है। इस पत्र में गृह मंत्रलय ने भारत में अवैध



घुसपैठियों की बढ़ती संख्या और उससे पैदा होने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी। कड़ी निगरानी के बीच इनकी जांच पड़ताल का काम शुरू किया गया है। इसके तहत पहली खेप में 170 अवैध घुसपैठियों को कठुआ में रखा गया है। वहां से उनकी स्वदेश वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

रोहिंग्या म्यांमार के बांग्लाभाषी मुसलमान हैं। राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में इनकी संलिप्तता के सबूत मिलते रहे हैं। ये लोग बांग्लादेश के रास्ते भारत में घुसकर देश के विभिन्न भागों असम, बंगाल, जम्मू, दिल्ली और हैदराबाद आदि में फैल गए हैं। जम्मू उनका सबसे पसंदीदा स्थान है, क्योंकि यहां की फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेशनल कॉन्फ्रेंस, मुफ्ती मोहम्मद सईद और महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी और गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकारों को उनके बसने से राजनीतिक लाभ मिलता रहा है। इसलिए इन सरकारों ने रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों की आगे बढ़कर अगवानी की है और उन्हें वोट के बदले में तमाम तरह के लाभ दिए हैं। ये घुसपैठिये न सिर्फ स्थानीय संसाधनों पर बोझ हैं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा हैं। जिन साधनों और संसाधनों पर भारतवासियों का प्राथमिक अधिकार है, उनका उपयोग ये लोग कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती जैसे राजनीतिक आकाओं से समर्थन मिला हुआ है। हालांकि तमाम राष्ट्रवादी संगठन इन आपराधिक प्रवृत्ति के अवैध घुसपैठियों को इनके देश म्यांमार वापस भेजने की मांग करते रहे हैं, लेकिन अल्पसंख्यकों के तुष्टीकरण की आदी सेक्युलर सरकारें उनकी इस मांग को नजरअंदाज करती रही हैं। एक रोहिंग्या घुसपैठिये मोहम्मद सलीमुल्ला ने एक 'विख्यात' वकील के माध्यम से उच्चतम न्यायालय में जनहित याचिका दायर करते हुए जम्मू-कश्मीर प्रशासन की इस कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। साथ ही, गृह मंत्रलय को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह अनौपचारिक शिविरों में रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के माध्यम से तत्काल और तीव्र गति से शरणार्थी पहचान पत्र जारी करे, ताकि इन 'शरणार्थियों' का उत्पीड़न न हो सके।

गृह मंत्रलय ने राज्यसभा में दिए गए एक लिखित जवाब में बताया है कि वर्ष 2018 से 2020 के बीच भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास करने वाले तीन हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें सर्वाधिक संख्या बांग्लादेशी, पाकिस्तानी व म्यांमारी रोहिंग्या घुसपैठियों की है। गौरतलब है कि मात्र दो वर्षों में तीन हजार लोग तो गिरफ्तार हुए हैं। न जाने कितने अपने प्रयास में सफल भी हो गए होंगे। पिछले दो दशकों में ही न जाने कितने घुसपैठिये भारत में घुसकर कहां-कहां बस गए होंगे! इन घुसपैठियों की पहचान और प्रत्यर्पण की बात करते ही सेक्युलर जमात सक्रिय हो जाती है। इस जमात को इस तथ्य से भी कुछ लेना-देना नहीं है कि इन घुसपैठियों को भारत में बसाने के लिए पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब आदि मुस्लिम देशों से हवाला फंडिंग की जा रही है। हवाला फंडिंग से खाए-अघाए कुछ एनजीओ, मदरसे, वेलफेयर सेंटर आदि बनाने/ चलाने की आड़ में इनकी सुगम बसावट सुनिश्चित कर रहे थे और जरूरी दस्तावेज जुटाने/ बनवाने में भी इनकी मदद कर रहे थे। भारत की खुफिया एजेंसियां अब इनको उघाड़ने में जुटी हुई हैं। जैसे-जैसे इस मामले की परतें खुलेंगी, जम्मू-कश्मीर के अब्दुल्ला-मुफ्ती 'राजवंशों' की मिलीभगत का भी पर्दाफाश होगा।इस बीच इनके सत्यापन की प्रक्रिया में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बहुत से रोहिंग्या घुसपैठियों ने लेन-देन करके या सत्ताधीशों के साथ मिलीभगत कर राशन कार्ड, आधार कार्ड तथा वोटर कार्ड आदि बनवा लिए हैं। एक और चिंता की बात यह है कि इनके बच्चे बहुत ज्यादा हैं। उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। यह काम भी राजनीतिक शह पर ही हो रहा है, ताकि जम्मू की जनसांख्यिकी को बदला जा सके और निर्णायक वोट बैंक तैयार किया जा सके। सत्यापन-प्रक्रिया शुरू होते ही बहुत से रोहिंग्या जम्मू छोड़कर इधर-उधर के इलाकों तथा अन्य राज्यों में भी खिसक गए हैं। मगर इन दिक्कतों के बावजूद सत्यापन-प्रक्रिया पूरी प्रामाणिकता के साथ पूर्ण की जानी चाहिए और अवैध घुसपैठियों को हर हाल में प्रत्यर्पित किया जाना चाहिए।

पिछले साल जो लोग अविभाजित भारत के विस्थापित शरणार्थियों को नागरिकता देने संबंधी नागरिकता (संशोधन) विधेयक (सीएए) के विरोध में दिल्ली में खूनी खेल खेल रहे थे और शाहीन बाग में टेंट तानकर बैठे थे, वही लोग आज इन अवैध घुसपैठियों को सिर पर बैठाने और सारे अधिकार देने की वकालत कर रहे हैं। यह विडंबनापूर्ण व्यवहार है। राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर का विरोध भी इसी कारण किया जा रहा था, ताकि इस प्रकार के घुसपैठियों की पहचान और प्रत्यर्पण न किया जा सके। इन्होंने अपने वास्तविक मंसूबों को छिपाते हुए भारतीय मुसलमानों को नागरिकता छिनने का डर दिखाया और उन्हें भड़काया। यह सब हिंदुओं के बाद भारत के 'दूसरे बहुसंख्यक' समुदाय मुसलमानों की एकमुश्त वोट मुट्ठी में करने की जुगत थी। आजादी से लेकर आज तक कई राजनीतिक दल और अनेक झोला छाप स्वघोषित स्वयंसेवी संगठन इन तथाकथित 'अल्पसंख्यकों' के हिमायती दिखकर ही अपना उल्लू सीधा करते रहे हैं। कल को अगर चीन के उइगर मुसलमान भी भारत में घुसपैठ करते हैं, तो भी ये लोग उनकी हिमायत करने में हिचकेंगे नहीं।जस्टिस राजेंद्र सच्चर कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि भारत में मुसलमानों की हालत दलितों से भी बदतर है।

## अफगानिस्तान से पैकअप

बाइडेन प्रशासन की ताजा घोषणा के अनुसार अमेरिकी फौज इस साल 11 सितंबर यानी ट्विन टावर आतंकी हमले की बीसवीं बरसी तक अफगानिस्तान से पूरी तरह वापस हो जाएगी। इसका पहला मतलब तो यही है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकाल में हुए समझौते के अनुसार अमेरिकी फौज की वापसी की जो समय सीमा (1 मई) तय की गई थी, उसे आगे खिसकाया जा रहा है। यह इस अर्थ में महत्वपूर्ण है कि अमेरिका में चुनावों से पहले अक्सर अफगानिस्तान से सेना की वापसी एक मुद्दा बनती और फिर भुलाई जाती रही है। इसीलिए सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इस बार भी फौज की वापसी के सवाल को ठंडे बस्ते में डालने की तैयारी है। ऐसी दो-तीन ठोस वजहें हैं जो इशारा करती हैं कि इस बार मामला पहले जैसा नहीं है। पहली वजह तो यही है कि मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन काफी पहले से अफगानिस्तान से सेना की वापसी की वकालत करते रहे हैं। यह पहला मौका है जब वह अपनी इस राय पर अमल करवाने की स्थिति में हैं। दूसरी बात यह कि ताजा घोषणा में एक मई की समय सीमा को सीधे-सीधे खारिज नहीं किया गया है। कहा यह गया है कि सेना की वापसी की प्रक्रिया एक मई से शुरू होगी और 11 सितंबर से पहले पूरी कर ली जाएगी। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण संकेत यह है कि सेना की वापसी की इस प्रक्रिया को किसी शर्त से नहीं जोड़ा गया है। अनौपचारिक तौर पर इस बात की पुष्टि भी की गई है कि राष्ट्रपति मानते हैं, ऐसी कोई शर्त लगाने का मतलब होगा वहां सेना को अधिक से अधिक समय तक बनाए रखना। जाहिर है, अमेरिकी सरकार फैसला कर चुकी है कि चाहे अफगानिस्तान में शांति की संभावना मजबूत हो या न हो, चाहे विभिन्न पक्षों के बीच साथ काम करने की शर्तों को लेकर कोई ठोस सहमति बने या न बने, उसे अब अपनी फौज वापस बुला ही लेनी है। अमेरिका के लिए इसके चाहे जो भी मतलब हों, भारत के लिहाज से देखें तो इसके बड़े गंभीर निहितार्थ हैं। मौजूदा हालात में तय है कि अमेरिका के अपने पांव खींचने से वहां जो शून्य बनेगा उसे चीन भरने की कोशिश करेगा।

अमेरिका के बरक्स रूस और चीन की हाल के दिनों में बढ़ती करीबी इसमें उसकी मदद करेगी। कुछ ही दिनों पहले ईरान से हुआ 400 अरब डॉलर निवेश करने का 25 वर्षीय समझौता भी चीन की राह आसान बनाएगा। पिछले दो दशकों के दौरान भारत भी अफगानिस्तान के पुनर्निर्माण की योजनाओं में अच्छा खासा निवेश करता रहा है। जाहिर है उसे अफगानिस्तान में अपने हितों की रक्षा तो करनी ही है, यह भी सुनिश्चित करना है कि वह भारत विरोधी ताकतों की साजिश का नया केंद्र न बन जाए। काम कठिन है और वक्त कम। लेकिन शुरुआत खुले दिल और दिमाग से नए दोस्त तलाशने की मुहिम से हो सकती है।

# सरकार को ब्याज पर सब्सिडी देने के बजाय वही राशि सीधे जनता को ट्रांसफर करनी चाहिए जिससे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ सके

गत सप्ताह सरकार ने छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कटौती करके उसे तत्काल वापस भी ले लिया। दरअसल सरकार द्वारा ब्याज दरें घटाने पर बहुत तीखी प्रतिक्रियाएं आई थीं जबकि हकीकत यही है कि उनमें कटौती से जमाकर्ताओं के हितों पर कोई बड़ा आघात नहीं होता। इसे इस प्रकार समझना होगा कि महंगाई दर में कमी के साथ-साथ ब्याज दरों में कटौती करना आवश्यक हो जाता है। जैसे वर्ष 2020 में राष्ट्रीय बचत पत्र पर 7.9 प्रतिशत ब्याज मिलता था जबकि महंगाई दर 4.9 प्रतिशत थी। यानी जमाकर्ता को तीन प्रतिशत का शुद्ध ब्याज मिलता था।

सिद्धांत यही है कि महंगाई जितनी बढ़ती है उतना ही आपके द्वारा जमा की गई रकम का वास्तविक मूल्य घट जाता है। जैसे इस वर्ष आपने 100 रुपये जमा कराए और महंगाई दर पांच प्रतिशत हो तो एक वर्ष बाद उसी 100 रुपये में आपको केवल 95 रुपये का सामान मिलेगा। इसीलिए जमाकर्ता को शुद्ध ब्याज दर पर ध्यान देना चाहिए। वर्तमान में महंगाई दर घटकर 3.7 प्रतिशत हो गई है। इसलिए यदि ब्याज दर न घटाई जाए तो जमाकर्ता को मिलने वाले शुद्ध ब्याज की दर तीन से बढ़कर 4.2 प्रतिशत हो जाएगी। जमाकर्ता को पूर्व की तरह 7.9 प्रतिशत ब्याज मिलेगा, लेकिन महंगाई दर घटकर 3.7 हो जाने से उसके हाथ में 4.2 प्रतिशत का ब्याज आएगा। सरकार ने ब्याज दर को घटाकर 7.9 से 6.8 प्रतिशत कर दिया था। यदि इस घटी हुई ब्याज दर को लागू किया गया होता तो भी इसमें से 3.7 प्रतिशत मुद्रास्फीति समायोजन के बाद जमाकर्ता को 3.1 प्रतिशत शुद्ध ब्याज मिलता जो कि पिछले वर्ष के तीन प्रतिशत के समकक्ष है। इसलिए ब्याज दर में कटौती से जमाकर्ता को वास्तविक नुकसान नहीं है। ब्याज दर घटाने का दूसरा कारण यही था कि इन बचत योजनाओं में जमा राशि से मुख्यत= सरकार द्वारा ऋण लिया जाता है। वहीं अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जरूरी है कि बैंकों के पास ज्यादा रकम जमा हो जिससे वे उद्यमियों को अधिक मात्रा में ऋण दे सकें। वैसे भी सरकार द्वारा लिया गया ऋण मूलत= सरकारी खपत में जाता है, जबकि बैंकों की जमाराशि सामान्यतया अन्य उत्पादक गतिविधियों में लगाई जाती है। समस्या यह है कि छोटी बचत योजना में 7.9 प्रतिशत का ब्याज मिलता है जबकि स्टेट बैंक में पांच वर्ष की जमा पर 5.40 प्रतिशत ब्याज ही मिलता है। इसलिए जमाकर्ता के लिए बैंक में राशि जमा कराना लाभकारी नहीं है। इससे बैंकों में जमाराशि कम आने के कारण उनके द्वारा उत्पादक गतिविधियों को ऋण कम दिया जाता है। इसलिए जरूरी था कि छोटी बचत पर ब्याज दरों को घटाया जाए जिससे बैंकों में अधिक जमाराशि आकर्षित हो और बैंक आर्थिक गतिविधियों को गति दे सकें। ब्याज दर में कटौती का तीसरा आधार यह था कि सरकार द्वारा सीधे बाजार से जो ऋण लिया जाता है, जिसे सरकारी प्रतिभूति या जीसैक कहा जाता है, उस पर सरकार 6.2 प्रतिशत का ब्याज अदा कर रही है। इसका अर्थ है कि सरकार को 6.2 प्रतिशत की दर पर बाजार में ऋण उपलब्ध है जबकि छोटी बचत योजनाओं में 7.9 प्रतिशत का ब्याज देना पड़ रहा है। यानी इससे सरकार पर 1.7 प्रतिशत का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इसका वहन सरकार को करदाताओं के पैसे से ही करना पड़ता है। यानी कुछ जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा समस्त करदाताओं के पैसों से होती है। बिल्कुल वैसे जैसे घर के दो बच्चों का हिस्सा काटकर उसे तीसरे बच्चे को दे दिया जाए, जो कि अनुचित है। इन कारणों से देखा जाए तो सरकार द्वारा छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में कटौती का फैसला तार्किक ही था, लेकिन कुछ कारणों से सरकार ने उस निर्णय को पलट दिया।

इस बीच चिंता का कहीं बड़ा विषय पिछले कुछ समय से हमारी विकास दर का गिरना है। कोविड से इस पर संकट और गहराया है। वर्तमान में कोविड की दूसरी लहर से हालात और बिगड़ने की आशंका बढ़ रही है। बाजार में मांग नहीं है। जैसे दुकानदार की दुकानदारी यदि 25 प्रतिशत कम होती है तो उसके लाभ कम होते हैं और उसके द्वारा अपनी खपत के लिए बाजार से माल की खरीद भी कम की जाती है। मांग में इस गिरावट का नतीजा है कि उद्यमी के लिए ऋण लेकर निवेश करना लाभप्रद नहीं रह गया है। उद्यमी कागज बनाने का कारखाना लगाने के लिए बैंक से ऋण तब लेगा जब बाजार में कागज की मांग हो। अन्यथा वह व्यर्थ में लिए गए ऋण पर ब्याज के बोझ से और पिछड़ता जाएगा। वर्तमान में कागज की जितनी मांग है उससे अधिक उत्पादन की क्षमता उद्यमियों के पास है। इसलिए ब्याज दर शून्य भी हो जाए तो भी उद्यमी ऋण लेकर निवेश नहीं करेगा, क्योंकि नए निवेश से उत्पादित कागज को बेच पाना उसके लिए संभव नहीं होगा। गौर करना चाहिए कि जापान आदि देशों में ब्याज दर शून्य होने के बावजूद वहां आर्थिक गतिविधियों में सुस्ती कायम है।

# जो सियासी दल सांस्कृतिक प्रतीकों के प्रति हिकारत का भाव रखते थे वही आज उन्हें अपनाने लगे

**इसी तरह केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से संबंधित 2018 की घटनाओं पर खेद व्यक्त करते हुए केरल सरकार में मंत्री के. सुरेंद्रन ने पिछले दिनों कहा कि ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। भारतीयता एवं भारतीय दृष्टिकोण के बढ़ते प्रभाव को शैक्षिक-बौद्धिक विमर्श में भी देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूलभूत उद्देश्यों में भारतीयता की पुनर्स्थापना शामिल है। योग, आयुर्वेद और वैदिक गणित आदि का बढ़ता प्रभाव भारतीयता की पुनर्स्थापना का ही सूचक है। संस्कृति, धर्म, शिक्षा, इतिहास, पर्यावरण एवं स्त्री के प्रति दृष्टिकोण संबंधी भारत की अत्यंत प्राचीन, किंतु अत्यधिक प्रगतिशील परंपरा का महत्व देश ही नहीं, दुनिया भी धीरे-धीरे स्वीकार रही है।**

भारतीय मूल के अमेरिकी लेखक-पत्रकार फरीद जकारिया ने अपनी चर्चित पुस्तक 'द पोस्ट अमेरिकन वर्ल्ड' में लिखा है कि बीते कई दशकों तक अमेरिका का दुनिया में वर्चस्व रहा है, मगर 21वीं सदी में अमेरिका का दबदबा घटकर शक्ति का केंद्र चीन तथा भारत जैसे देशों की तरफ खिसकता जाएगा। जकारिया की इस अवधारणा के परिप्रेक्ष्य में भारत के आंतरिक संदर्भ विशेषकर सांस्कृतिक-बौद्धिक विमर्श पर विचार करें तो मेरा मत है कि भारत के सांस्कृतिक-बौद्धिक विमर्श का केंद्र बिंदु मार्क्सवाद और तथाकथित 'उदारवाद' जैसी पश्चिमी चिंतनधारा की जगह भारत और 'भारतीयता' जैसे विचार लेते जा रहे हैं। दिलचस्प है कि सांस्कृतिक विमर्श में भारतीयता के तत्वों की पुनर्स्थापना एवं अनुगूंज राजनीतिक विमर्श में सुनाई पड़ने लगी है, जिसकी झलक फिलहाल जारी विधानसभा चुनावों में देखी भी जा सकती है।

अमूमन कोई चुनाव किसी सरकार के पांच वर्षीय प्रदर्शन के आधार पर लड़ा जाता है, पर समाज की सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक जरूरतें भी होती हैं। इसलिए चुनावी संघर्ष में आर्थिक-सामाजिक मुद्दों के साथ-साथ सांस्कृतिक और भावनात्मक मुद्दे भी राजनीतिक दल उठाते हैं। बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम आदि राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों में सांस्कृतिक और भावनात्मक मुद्दे उठाने में कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। अपवादों को छोड़ दें तो आज इन सांस्कृतिक-भावनात्मक मुद्दों के केंद्र में भारतीयता प्रमुख हो चली है, जिसकी उपेक्षा आजादी के बाद से ही मार्क्सवाद



और तथाकथित 'उदारवाद' के पैरोकारों ने की। शुरुआत बंगाल से ही करते हैं।

चैतन्य महाप्रभु, कृतिबास ओझा, रामकृष्ण परमहंस और विवेकानंद की जन्मस्थली बंगाल में पहले मार्क्सवादी सरकार और बाद में तृणमूल कांग्रेस की सत्ता के दौरान भारत के परंपरागत हिंदू प्रतीकों के प्रति एक उपेक्षा या उदासीनता का भाव रहा। इसके पीछे मंशा थी मुसलमानों का छद्म तुष्टीकरण और उन्हें एक वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करना। स्वयं ममता बनर्जी ने 2019 में कहा था कि 'हां, मैं तुष्टीकरण करती हूं... और ऐसा सौ बार करूंगी। जो गाय दुधारू है, उसकी दुलत्ती खाने में हर्ज नहीं।' तुष्टीकरण के इस क्रम में विभिन्न पार्टियों ने इस्लाम के मजहबी और सांस्कृतिक प्रतीकों को बढ़ावा दिया, जिसमें जाने-अनजाने हिंदू प्रतीकों की उपेक्षा की गई।

तुष्टीकरण की इस प्रक्रिया में ममता सरकार ने 2012 से इमाम और मुअज्जिनों का मासिक वेतन शुरू किया, जबकि पंडित-पुजारी इससे वंचित रह गए। इतना ही नहीं बंगाल के सबसे बड़े सांस्कृतिक-धीमिक आयोजन दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन पर वर्ष 2017 में मुहर्रम के कारण एक तरह से प्रतिबंध लगा दिया। वर्ष 2014, 2017 तथा 2018 में विभिन्न स्कूलों में सरस्वती पूजा आयोजन रोका गया, जबकि यह बंगाल की प्राचीन परंपरा रही है। मुस्लिमों को लुभाने के लिए श्रीराम के नाम से भी ममता चिढ़ती रही हैं।

उल्लेखनीय है कि मुसलमानों का यह तुष्टीकरण भी केवल ऊपरी और दिखावटी चीज थी। इससे मुसलमानों का कोई भला नहीं हुआ। सच्चर कमिटी की रिपोर्ट इसका साक्ष्य है, मगर इस भुलावे को मुस्लिम समाज कभी समझने की कोशिश नहीं करता। दूसरी तरफ मार्क्सवादियों और कथित 'उदारवादियों' के बहकावे में आकर भारतीय प्रतीकों के प्रति मुस्लिम समाज एक नकारात्मक या उदासीनता का भाव रखे रहा। जिस 'जय श्रीराम' के नाम पर ममता खीझती रही हैं, आज वही नारा पूरे बंगाल में गूंज रहा है। मार्क्सवादियों और तथाकथित 'उदारवादियों' को इसमें धार्मिक 'पुनरुत्थानवाद' नजर आता है, लेकिन यह कोई धार्मिक 'पुनरुत्थानवाद' नहीं है। कुछ हद तक यह 'क्रिया के विपरीत प्रतिक्रिया' जरूर है, लेकिन उससे ज्यादा यह भारतीयता और भारतीय मूल्यों की पुनर्स्थापना है, जो श्रीराम के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि, तमिल संत एवं महाकवि कंब, जैन रचनाकार स्वयंभू (सत्यभूदेव) या बांग्ला कवि कृतिबास आदि ने कभी किया था। स्वयं अल्लामा इकबाल तक ने श्रीराम को 'इमाम-ए-हिंद' कहा था। भारतीयता का यह नवोत्थान मोदी सरकार के आने के बाद से पूरी तरह से उभरकर आया है। दिलचस्प है कि वे दल और बुद्धिजीवी जो कभी भारतीय प्रतीकों के प्रति हिकारत का भाव रखते थे, जनता के दवाब में आज उन सांस्कृतिक प्रतीकों को अपनाने लगे हैं।

राहुल गांधी को शिवभक्त बताया जाना या ममता द्वारा चंडीपाठ करना उसी दबाव का सूचक है। जिस 'वंदे मातरम्' को हिंदुत्व का पर्याय बताकर विवाद खड़ा किया जाता रहा है, आज ममता और उनकी तृणमूल 'वंदे मातरम्' का नारा लगभग अपनी हर सभाओं में लगा रही हैं। बंगाल ही नहीं, तमिलनाडु या केरल की राजनीति में भी ऐसे स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। कभी द्रमुक ने श्रीराम के अस्तित्व पर ही सवाल उठाए थे, लेकिन आज उसी द्रमुक के लोग अपने अध्यक्ष एमके स्टालिन को रामराज्य का प्रशंसक बता रहे हैं। इसी तरह केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से संबंधित 2018 की घटनाओं पर खेद व्यक्त करते हुए केरल सरकार में मंत्री के. सुरेंद्रन ने पिछले दिनों कहा कि ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। भारतीयता एवं भारतीय दृष्टिकोण के बढ़ते प्रभाव को शैक्षिक-बौद्धिक विमर्श में भी देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मूलभूत उद्देश्यों में भारतीयता की पुनर्स्थापना शामिल है। योग, आयुर्वेद और वैदिक गणित आदि का बढ़ता प्रभाव भारतीयता की पुनर्स्थापना का ही सूचक है। संस्कृति, धर्म, शिक्षा, इतिहास, पर्यावरण एवं स्त्री के प्रति दृष्टिकोण संबंधी भारत की अत्यंत प्राचीन, किंतु अत्यधिक प्रगतिशील परंपरा का महत्व देश ही नहीं, दुनिया भी धीरे-धीरे स्वीकार रही है। आगामी दौर भारतीयता के नवोत्थान का भी समय है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

# यूपी में अब हर रविवार संपूर्ण लॉकडाउन, मास्क न पहनने पर 10,000 तक का जुर्माना

**लखनऊ** । कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर की चपेट में आने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतिदिन प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की समीक्षा कर रहे हैं। योगी आदित्यनाथ टीम-11 और फील्ड के अफसरों के साथ वर्चुअली बैठक कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने अब यूपी में प्रत्येक रविवार को पूर्ण लॉकडाउन लगाने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने सार्वजनिक जगहों पर मास्क न लगाने वालों से 10 गुना तक जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए हैं।

नवरात्र में नौ दिन का व्रत रखने के साथ ही कोरोना संक्रमित होने के बाद भी सीएम योगी आदित्यनाथ लगातार वर्चुअल समीक्षा बैठक कर रहे हैं। शुक्रवार को टीम-11 के साथ समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सभी शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में हर रविवार को कंपलीट लॉकडाउन का फैसला किया है। उत्तर प्रदेश सरकार का यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है। सरकार ने उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण की जानलेवा चेन तोडने के लिए तगड़ी सख्ती लागू की है। इसी क्रम में रविवार को

लॉकडाउन किया जा रहा है। लॉकडाउन की अवधि शनिवार रात 8 बजे शुरू हो जाएगी और सोमवार सुबह 7 बजे तक लागू रहेगी। इस दौरान आवश्यक सेवाओं को छोड़ बाकी सभी दफ्तर बंद रहेंगे।

उत्तर प्रदेश में अब सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में रविवार को पूर्णतया बंदी रहेगी। इस दौरान अति आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी बाजार तथा दफ्तर बंद रहेंगे। आज सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि उत्तर प्रदेश में अग्रिम आदेशों तक प्रत्येक रविवार को पूर्ण रूप से साप्ताहिक बंदी रहेगी। रविवार को सिर्फ सैनीटाइजेशन के कार्य होंगे व आपात सेवायें चलती रहेंगी। इस दिन प्रदेश के सर्वाधिक संक्रमित जिलों में व्यापक सेनेटाइजेशन अभियान चलेगा। बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कोविड की वर्तमान स्थिति पर लखनऊ में हजार बेड का नया हॉस्पिटल बनाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान फंसे गरीब लोगों की भरण/पोषण भत्ता सूची बनेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका निर्देश भी अफसरों को दे दिया है। प्रदेश सरकार अब जरूरतमंदों को हर जगह राशन उपलब्ध कराएगी। उत्तर प्रदेश में बेकाबू कोरोना संक्रमण की चेन तोडने के लिए योगी आदित्यनाथ सरकार ने वीकेंड लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है। अब रविवार को ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर पूर्णतया बंदी रहेगी। इस पर बड़े स्तर पर सैनिटाइजेशन अभियान चलेगा।

लखनऊ में बनेगा हजार बेड का कोविड हॉस्पिटल- सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक हजार बेड बनाने का भी निर्देश दे दिया है। उन्होंने कहाइस संबंध में आवश्यक कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित की जाए। इस हॉस्पिटल के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश आवास विकास विभाग की उस जमीन का चयन किया गया है, जहां पर डिफेंस एक्सपो का आयोजन किया गया था।

मास्क न लगाने पर दूसरा जुर्माना दस गुना- सरकार ने मास्क न लगाने वालों पर बेहद सख्ती करने का फैसला किया है। इस दौरान लापरवाह लोगों को शिकंजा कसने के लिए सरकार ने जुर्माने की राशि भी तय की है। अब पहली बार बिना मास्क पकड़े जाने पर एक हजार रुपए का जुर्माना लगेगा। इसके बाद दोबारा पकड़े जाने पर 10 गुना यानी दस हजार रुपया जुर्माना वसूला जाएगा।

**नियम उल्लंघन पर पुलिस नहीं करेगी जरा भी रहम-** वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से उत्तर प्रदेश में हाहाकार मचने के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार ने हर रविवार साप्ताहिक बंदी का ऐलान किया है। इस दौरान सरकार कोरोना वायरस से बचाव के अपने इंतजाम करेगी। इस दौरान शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कई पाबंदियां लागू की गई हैं। इनका उल्लंघन करने पर पुलिस आपके साथ बेहद सख्ती से पेश आएगी।

प्रदेश में लोगों की घोर लापरवाही के कारण कोरोना वायरस संक्रमण बढने पर अब सरकार की बेहद सख्त हो गई है। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में अब हर रविवार को होने वाला लॉकडाउन हर शनिवार को रात आठ बजे से शुरु होकर सोमवार सुबह सात बजे तक रहेगा। इस दौरान सभी जगह पर कुछ आवश्यक सेवाओं को छोड़कर अन्य सभी बंद रहेंगी। इस दौरान सार्वजनिक दौरान यातायात सुविधाएं भी बंद रहेंगी। यानी आप एक जगह से दूसरी जगह नहीं जा सकेंगे। आपातकालीन सेवाएं संचालित रहेंगी। निजी अस्पतालों को कोविड अस्पताल बनाने का कार्य किया जाएगा।

लॉकडाउन लगने की स्थिति लोगों को घरों से निकलने की अनुमति नहीं होती है। आवश्यक सेवाओं के अलावा लोगों को सिर्फ दवा या खाने-पीने की जरूरी चीजों के लिए घर से बाहर निकलने की अनुमति होती है। इस लॉकडाउन के दौरान सरकार का सभी को निर्देश है कि वह लोग अपने घरों में ही रहें।

**क्या बंद रहेगा और कौन सी सेवा चालू**

नहीं प्रभावित होगी जरूरी सामानों की आपूर्ति- रविवार को लॉकडाउन के दौरान सामान्य तौर पर जरूरी चीजों की आपूर्ति प्रभावित नहीं होगी। इस दौरान लॉकडाउन के दौरान राशन, मेडिकल से जुड़ी चीजें, बैंक, दूध-मीट आदि की दुकान चलती रहेगी। आवागमन पर अंकुश- लॉकडाउन में गैर जरूरी गतिविधियों को रोक रहेगी। यातायात के सार्वजनिक साधन बंद रहेंगे। कहीं पर भी निजी वाहन से जाने वालों को अनिवार्यता का प्रमाण देना होगा। लॉकडाउन में सामान्य कामकाज की इजाजत नहीं है। आवश्यक सेवा के दायरे में नहीं आने वाली किसी कंपनी के खुला रहने पर सख्त ऐक्शन लिया जाएगा।

## संक्षिप्त खबर

### पूसा में व्यवसाई को अपराधियों ने मारी गोली, गंभीर अवस्था में किया गया पीएमसीएच रेफर

**समस्तीपुर** । अपराधियों ने एक बार फिर थाना क्षेत्र के दिघरा पंचायत अंतर्गत नौआचक निवासी एक व्यवसायी को गोली मार दी है। व्यववसायी को उस समय गोली मारी जब वे सोए हुए थे। यह घटना गुरुवार की देर रात की है। जख्मी व्यवसायी को स्वजनों के द्वारा समस्तीपुर में इलाज के लिए लाया गया। जहां से चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पीएमसीएच रेफर कर दिया है। सदर डीएसपी प्रीतिश कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गए हैं।

जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर रात करीब 11 बजे अज्ञात अपराधियों ने दिघरा पंचायत के नौआचक निवासी व्यवसायी वीरेंद्र यादव (55) को सोए हुए अवस्था में गोली मारकर जख्मी कर दिया। व्यवसायी को सिर में गोली मारी गई है।गोली चलने की आवाज सुनकर परिवार के लोग दौड़े तब तक अपराधी फरार होने में सफल रहा। स्वजनों के द्वारा इलाज के लिए तुरंत जख्मी अवस्था में समस्तीपुर में एक निजी अस्पताल से भर्ती कराया गया। लेकिन डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखकर पटना रेफर कर दिया। बताया जाता ळे कि व्यवसाई अपने गौशाला में सड़क किनारे खाट पर सोए हुए थे। इसी बीच मोटरसाइकिल पर सवार तीन अपराधियों ने रात ग्यारह बजे के करीब घटना को अंजाम दिया।गोली की आवाज सुनकर परिवार के साथ-साथ आसपास के लोग भी जुटे लेकिन तब तक तीनों अपराधी वहां से भाग निकले। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार जख्मी व्यवसायी का किसी से भी कोई विवाद नहीं था। वे घर पर ही किराना की दुकान और आटा चक्की चलाते थे। आमलोगों को भी आश्चर्य हो रहा है कि आखिर किस ऐसे व्यक्ति को कोई क्यों गोली मारेगा बता दें कि पूसा थाना क्षेत्र में इधर, अपराधी बेलगाम हो गए हैं। 20 दिन पहले पूसा प्रमुख रविता तिवारी के पति अन्नू तिवारी की हत्या अपराधियों ने उसके घर में घुसकर दिनदहाड़े कर दी थी। आज तक उस मामले में पुलिस एक भी नामजद अपराधी को गिरफ्तार नही कर सकी है।पूसा एवं वैनी ओपी क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल कायम है। अपराधियों के सामने पुलिस बौना साबित हो रही है।इससे आम लोगों में भी आक्रोश देखा जा रहा है। इधर, सदर डीएसपी प्रीतिश कुमार एवं थानाध्यक्ष समेत काफी संख्या में पुलिस बलों ने पहुंचकर घटना की जानकारी ली। साथ ही आमलोगों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### डेढ़ साल से मुख्यालय में धूल फांक रही भोलानाथ फ्लाईओवर की फाइलें, नक्शे को पूर्व रेलवे से मिल चुकी है स्वीकृति

**भागलपुर** । प्रस्तावित भोलानाथ फ्लाई ओवर की फाइलें मुख्यालय में धूल फांक रही हैं। दक्षिणी क्षेत्र के लोगों के आवागमन की समस्या के समाधान के लिए 14 साल पहले सरकार ने भोलानाथ के ऊपर फ़्लाईओवर बनाने की घोषणा की थी। मिरजानहाट शीतला स्थान चौक से भीखनपुर के बीच 1110 मीटर लंबे फ्लाई ओवर का पुल निर्माण निगम द्वारा 65 करोड़ का पक्कलन बनाकर स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेज दिया गया। खामियां बता इसमें सुधार करने की बात करते हुए प्राक्कलन लौटा दिया गया। इसी तरह पिछले आठ सालों में दस बार प्राकलन लौटाए गए। डेढ़ साल पूर्व निर्देशानुसार प्राकलन में सुधार कर निगम पदाधिकारी ने प्रशासनिक स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेज दिया गया। 18 माह से फ्लाई ओवर की फाइलें पथ निर्माण विभाग के अभियंता प्रमुख के पास पड़ी हुई हैं। जबकि सात माह पहले रेलवे से नक्शे को हरी झंडी भी मिल चुकी है। फ्लाई ओवर का डीपीआर ट्रांसटेक कंसलटेंट ने बनाया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार 10-11 साल पहले फ़्लाईओवर के निर्माण में 65 करोड़ रुपये खर्च होता, लेकिन समय बीतने के साथ सरिया, छर्री, सीमेंट, बालू, अलकतरा आदि निर्माण सामग्रियों की कीमतों में वृद्धि होने से निर्माण राशि बढ़कर 125 करोड़ हो गई है। 42 करोड़ भू-अर्जन में खर्च होना है। शीतला स्थान चौक से भोलानाथ पुल के बीच पर्याप्त जगह है। लेकिन भोलानाथ पुल और भीखनपुर के बीच लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है। डिक्शन चौक के पास मालगोदाम व लोहिया पुल को जोडने के लिए फ्लाईओवर का सर्विस रोड बनना है।

### कोरोना पाजिटिव असहाय परिवारों के घर तक पहुंचेगा भोजन,रांची के सांसद संजय सेठ ने की पहल

**रांची** । कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। रांची जिले में हर दिन 1000 से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। कई लोग ऐसे हैं जिनका पूरा परिवार बीमारी की चपेट में आ गया है। कई बुजुर्ग ऐसे हैं, जिनकी देखरेख और भोजन की व्यवस्था करने वाला तक कोई नहीं है। रांची शहरी क्षेत्र में रहने वाले ऐसे कोरोना संक्रमित जिनका कोई मददगार नहीं, चाहे बुजुर्ग हों, कामकाजी महिला-पुरुष हों या विद्यार्थी, रांची के सांसद संजय सेठ की तरफ से इनकी मदद के लिए पहल की गई है। आने वाले रविवार से इनके घर तक भोजन पहुंचाने का निर्णय लिया है। इसके लिए दिए गए किसी एक मोबाइल नंबर पर पूरी जानकारी #WhatsApp करनी होगी। इस जानकारी में आपकी कोविड पॉजिटिव की रिपोर्ट, पूरा पता और मोबाइल नंबर आवश्यक होगा। आपकी रिपोर्ट निगेटिव होने तक या 14 दिनों तक भाजपा के कार्यकर्ता आपके घरों तक भोजन पहुंचाने का काम करेंगे। यह ध्यान रखें कि सूचना भेजने के लिए किसी एक ही नंबर का उपयोग करें। यह सुविधा केवल रांची महानगर एवं शहरी क्षेत्र के लिए है।

### अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई किसी की मृत्यु - सिविल सर्जन जांजगीर

**रायपुर**। सविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय जांजगीर ने बताया है कि जिला चिकित्सालय जांजगीर में संचालित एक्सक्लूसिव कोविड ट्रीटमेंट सेंटर (ई.सी.टी.सी.) में उपलब्ध सभी 80 बेड में पर्याप्त ऑक्सीजन सुविधा उपलब्ध है। यहां किसी भी मरीज की मृत्यु ऑक्सीजन की उपलब्धता में कमी से नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों कोविड पॉजिटिव मरीजों की ऑक्सीजन की उपलब्धता में कमी की वजह से मृत्यु की बात बिल्कुल निराधार है। ई.सी.टी.सी सेंटर में ऑक्सीजन प्लांट, जम्बो ऑक्सीजन सेलेण्डर एवं ऑक्सीजन कंसनट्रेटर के द्वारा मरीजों को निरंतर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

## उत्तर प्रदेश में निरंकुश कोरोना वायरस का नया संक्रमण, 24 घंटे में 27426 नए कोविड संक्रमित

**लखनऊ** । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर ने अब इतनी गति पकड़ ली है कि सभी लोग असहाय सा महसूस कर रहे हैं। केंद्र तथा राज्य सरकार के तमाम जतन के बाद भी अप्रैल माह में इसके संक्रमण की गति आठ से नौ गुना बढ़ गई है। गुरुवार की अपेक्षा शुक्रवार को प्रदेश में 4987 अधिक नए संक्रमित केस मिले हैं।

उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस टेस्ट की जो रिपोर्ट आई है, वह काफी डरावनी है। 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में 27426 नए संक्रमित लोग मिले हैं। 24 घंटे में 103 लोगों की मृत्यु हुई है। राजधानी लखनऊ का रिकॉडतोड़ प्रदर्शन जारी है। 24 घंटे में लखनऊ में 6598 केस हैं। यहां पर 35 लोगों की मौत हुई है। पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 2344 नए संक्रमित मिले हैं। प्रयागराज में 1758 और कानपुर में 1403 नए संक्रमित केस मिलने से लोगों के सब्र का बांध टूट रहा है। प्रदेश में गुरुवार को लखनऊ में 5183, वाराणसी में 1859, प्रयागराज में 1888 और कानपुर में 1263 नए संक्रमित मिले थे। बीते 24 घंटे में प्रदेश में दो लाख 23,307 टेस्ट कराए गए थे।

इस बार का संक्रमण बेहद घातक साबित हो रहा है। अधिकांश संक्रमितों की जान संक्रमण के तीसरे दिन ही जा रही है। नया म्यूटेंट वायरस पहले की अपेक्षा अधिक घातक साबित हो रहा है। इसका संक्रमण इतनी तेजी से फैल रहा है कि लोगों को संभलने का समय नहीं मिल पा रहा है।

कई लोग तो टेस्ट रिपोर्ट आने से पहले ही दम तोड़ दे रहे हैं। अब तो हर दिन नए संक्रमित के मिलने और मृतकों की संख्या का रिकॉर्ड टूट रहा है। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वकफ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी के 35 वर्षीय दामाद ने शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 35 वर्षीय मीसम मौत हो गई। उनके फेफड़ों ने सुबह से काम करना बंद कर दिया था।

पटना में चैती छठ पर्व के अवसर पर नहाय खाय के दौरान गंगा नदी के तट पर भक्त पूजा-अर्चना करती हुई ।

## लालू प्रसाद यादव की बेल पर टिकी नजरें, जेल में हों या बाहर हमेशा रहे प्रासंगिक

**पटना** । बात बिहार की करें तो राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव सत्ता में रहें या विपक्ष में, उनकी प्रासंगिकता बनी रही है। चारा घोटाले के दुमका कोषागार के मामले में उनकी जमानत अर्जी पर अब शनिवार को सुनवाई होगी। शनिवार को उन्हें जमानत मिले या नहीं, वे विपक्ष की राजनीति की धुरी बने रहेंगे। फिलहाल लालू चारा घोटाला में जेल की सजा के तहत दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में इलाज करा रहे हैं। रांची हाईकोर्ट में उनकी जमानत पर सुनवाई पर सभी की नजरें टिकीं हैं। लालू परिवार और आरजेडी को उनकी जमानत की उम्मीद है।

विदित हो कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के जमानत पर शुक्रवार को रांची हाईकोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन कोरोनावायरस संक्रमण पर नियंत्रण के लिए हाईकोर्ट परिसर सैनिटाइजेशन के लिए बंद कर दिया गया है। इस कारण अब उनकी जमानत पर शनिवार (17 अप्रैल) को सुनवाई होगी। रांची हाई कोर्ट में यह मामला जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अदालत में सूचीबद्ध है, जिसमें सीबीआइ ने जवाब दाखिल कर जमानत का विरोध किया है।

साल 1990 में जब लालू प्रसाद यादव पहली बार मुख्यमंत्री बने, तब किसी को यह अंदाजा नहीं था कि वे तत्कालीन बड़े नेताओं जगन्नाथ मिश्रा, सत्येंद्र नारायण सिंह, भागवत झा आजाद और रामाश्रय प्रसाद सिंह के रहते अपनी मजबूत जगह बना पाएंगे। लेकिन लालू अपनी सूझबूझ से समय के साथ धीरे-धीरे राजनीति के शिखर पर पहुंचने में कामयाब रहे। आज बिहार में राजनीति उनके समर्थन या विरोध

के इर्द-गिर्द घूम रही है।

**बिहार में हारे तो केंद्र में रेल मंत्री बन चर्चा में आए-** लालू की राजनीति पर साल 2005 में तब ग्रहण लगा था, जब बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई सरकार का गठन हुआ था। लेकिन लालू ने दूर नहीं करते हुए दिल्ली को अपना कार्यक्षेत्र बना लिया। फिर केंद्र सरकार में रेल मंत्री के रूप में तब चर्चा में आए, जब घाटे में चल रहे रेलवे को पहली बार मुनाफे में ला दिया।

**बिहार की सत्ता छूटी, चारा घोटाला में गए जेल-** आगे बिहार में महागठबंधन की नीतीश सरकार के साथ फिर बिहार की सत्ता में आना, फिर नीतीश कुमार के जनता दल यूनाइटेड का महागठबंधन छोड़कर फिर एनडीए में शामिल होना भी बड़ा घटनाक्रम रहा, जिससे लालू की राजनीति को आघात लगा। लेकिन लालू को सबसे बड़ा आघात लगना अभी शेष था। आरजेडी के बिहार की सत्ता से बाहर होने के बाद झारखंड में चल रहे चारा घोटाला के तीन मामलों में एक-एक कर लालू को सजा हो गई। इसके साथ लालू रांची की होटवार जेल भेज दिए गए।

**सत्ता से बाहर रहकर भी बने हैं सियासत के केंद्र-** लालू के बिहार के बाहर जेल जाने के बाद उनके सियासत के हाशिए पर जाने के कयास लगाए जाने लगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। नीतीश कुमार के शासन की लालू-राबड़ी राज के दौर से तुलना के बहाने लालू हमेशा चर्चा में रहे हैं। लालू के मुस्लिम-यादव वोट बैंक के %एमवाई समीकरण% में भले ही कई दलों में सेंध लगा ली हो, लेकिन बिहार के एक वोटबैंक पर उनका प्रभाव आज भी बरकरार है। अपने ठेठ गंवई अंदाज व लोगों से सीधे कनेक्ट करने की काबिलियत के कारण वे आज भी प्रभावी हैं। जेल में रहने के बावजूद उनके ट्वीट व अन्य सोशल मीडिया पोस्ट जनता से सीधे कनेक्ट करते हैं।

**जेल से बाहर निकले तो मजबूत होगा विपक्ष-** यह लालू का प्रभाव ही है, जिस कारण वे आज भी सत्ता पक्ष के निशाने पर तो विपक्ष की राजनीति के केंद्र में हैं। सत्ता से बाहर रहकर भी वे कांग्रेस व वाम दलों समेत विपक्ष के दलों की राजनीति लालू की कृपा पर ही टिकी रहती है। सवाल यह है कि अगर चारा घोटाला के दुमका कोषागार मामले में उन्हें जमानत मिल गई, तब क्या होगा ऐसी स्थिति में आरजेडी को संजीवनी मिलनी तय है। उनका बिहार में रहना ही पार्टी को ताकत देगा। कई तेजस्वी यादव के नेतृत्व को नहीं स्वीकार कर रहे कई विपक्षी दल लालू यादव के नेतृत्व में एकजुट हो जाएं तो आर्श्चय नहीं।

## इटावा में मुलायम की बहू समेत 10 बीडीसी सदस्य निर्विरोध निर्वाचित

**इटावा** । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की बहू, पूर्व केंद्रीय मंत्री बलराम सिंह यादव की पुत्रवधू और एक ही परिवार के पांच लोगों समेत 10 उम्मीदवार निर्विरोध क्षेत्र पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए हैं। नामांकन प्रक्रिया और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब घोषणा और प्रमाणपत्र मिलने की औपचारिकता शेष है। सैफई वार्ड नंबर 20 से मुलायम सिंह यादव की बहू मृदुला यादव, विकासखंड ताखा के वार्ड नं 27 रिदौला से पूर्व मंत्री बलराम सिंह यादव की पुत्रवधू पीयूषा, वार्ड नं 43 से प्रसपा के नेता ध्रुव यादव की पत्नी प्रीति, चकरनगर के सिरसा क्षेत्र पंचायत से पूर्व ब्लाक प्रमुख की पत्नी सुनीता यादव निर्विरोध चुने गए। वहीं जसवंतनगर में जिगौरा गांव निवासी निवर्तमान ब्लाक प्रमुख अनुज यादव मोंटी, उनकी पत्नी डॉ. अंजली यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ. ब्रजेशचंद्र यादव, संतोष यादव, राजपाल सिंह यादव भी एक ही परिवार से निर्विरोध चुने गए। भाजपा के पूर्व विधायक केके राज की पत्नी बबीता राज महेवा ब्लाक की वार्ड संख्या 87 से निर्विरोध चुनी गई हैं।

मृदुला के प्रमुख बनने का रास्ता साफ- सैफई महोत्सव के संस्थापक व दिवंगत ब्लाक प्रमुख रणवीर सिंह यादव की पत्नी मृदुला यादव के ब्लाक प्रमुख बनने का रास्ता साफ हो गया है। आरक्षण में पहली बार सैफई ब्लाक प्रमुख की सीट को पिछड़ा वर्ग महिला कर दिया गया है। वहीं पीयूषा यादव एक बार ताखा से ब्लाक प्रमुख भी रह चुकी हैं। पीयूषा ने रिदौली अधीनी के वार्ड नं. 27 से नामांकन किया था। ताखा ब्लाक से ही प्रसपा नेता ध्रुव यादव चीनी की पत्नी प्रीती यादव भी बेलाहार क्षेत्र के वार्ड संख्या 43 से निर्विरोध चुनी गई हैं। चकरनगर ब्लाक से सुनीता यादव भी सिरसा क्षेत्र पंचायत से निर्विरोध चुनी गई हैं। जिगौरा गांव निवासी निवर्तमान ब्लाक प्रमुख अनुज यादव मोंटी के परिवार के पांच लोग निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इनमें उसकी पत्नी डॉ. अंजली यादव, मोंटी के पिता पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ. बृजेशचंद्र यादव, उनकी मां संतोष यादव व चाचा राजपाल सिंह यादव भी निर्विरोध चुने गए।

## निर्माणाधीन आरओबी का गर्डर गिरा, दबकर राहगीर की मौत, डिप्टी सीएम ने जांच का दिया आदेश

**प्रयागराज** । यूपी के कौशांबी जनपद में शुक्रवार की सुबह हादसा हो गया। सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू कस्बे में रेलवे क्रसिंग परउत्तर प्रदेश सेतु निगम की ओर से बन रहे निर्माणाधीन ओवरब्रिज का गर्डर टूटकर नीचे गिर गया। इसकी जद में आने से साइकिल सवार की मौत हो गई। पुलिस सूचना पाकर वहां पहुंची और वाहनों के उधर आने-जाने पर रोक लगा दी है।

**दो अधिकारी निलंबित**

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हादसे की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। उपमुख्यमंत्री का कहना है कि दोषी अधिकारी कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। ट्वीट कर उन्होंने मृतक के प्रति संवेदना जताई। कहा कि विकास और सुरक्षा दोनों ज़िम्मेदारी निभानी होगी। इस मामले में लापरवाही पर दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

**व्यस्त है सिराथू रेलवे क्रासिंग**

कौशांबी जिले में सैनी कोतवाली क्षेत्र के सिराथू कस्बे में रेलवे क्रासिंग है। यह क्रासिंग अति व्यस्त होने से ट्रेनों के आने व्यस्त क्रासिंग है। ट्रेनों के आने से पहले इसे बंद कर दिए जाने से लंबा जाम लग जाता है। इसी जाम की समस्या को दूर करने के लिए रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज बनाने का इन दिनों काम चल रहा है।

**यूपी सेतु निगम बनवा रहा है आरओबी-** उत्तर प्रदेश सेतु निगम की ओर से आरओबी निर्माण कार्य के दौरान लोहे का गर्डर टूटकर नीचे गिर गया। उसी समय नीचे से क्षेत्र के चक मानिकपुर सैयद राजे नगर निवासी जगदीश 50 पुत्र हजारी लाल साइकिल से जा रहा था। लोहे का गर्डर उसी के ऊपर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई है।

## आगरा मे रिक्शे से आया चोर, भाजपा नेता के ज्वैलरी शोरूम के ताले तोड़कर 40 लाख के आभूषण ले गया

**आगरा** । आगरा के सदर थाना क्षेत्र में रिक्शे से आए चोर ने पुलिस चौकी से 100 कदम की दूरी पर भाजपा नेता के ज्वैलरी शोरूम में दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। शुक्रवार की भोर रिक्शे से आया चोर ज्वैलरी शोरूम के ताले तोड़कर वहां से 800 ग्राम सोने और 10 किलोग्राम चांदी के जेवरात ले गया। इनकी कीमत 40 लाख रुपये बताई गई है। सराफा व्यवसाई शुक्रवार की सुबह शोरूम खोलने पहुंचा तो ताले टूटे देख उसके होश उड़ गए। सूचना देने पर पुलिस और फोरेंसिक टीम भी पहुंच गई।रिक्शे से आए चोर के सीसीटीवी फुटेज पुलिस को मिले हैं। वारदात के बाद वह किसी ओर भागा, आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है।

ताजगंज के गुड़ियाई मंडी निवासी रोहित फौजदार का राजपुर चुंगी पर इंफ्रैंटी लाइन पुलिस चौकी के पास एमएल ज्वैलर्स के नाम से शोरूम है। रोहित भाजपा नेता केपी फौजदार के भतीजे हैं। केपी फौजदार वर्तमान में संघ के अनुषांगिक संगठन भारती शिक्षण संस्थान ब्रज प्रांत के संयुक्त मंत्री हैं।

शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे रोहित शोरूम पर पहुंचे तो उसके ताले टूटे हुए थे। यह देख उनके होश उड़ गए, अंदर पहुंचे तो शोरूम में रखे सोने-चांदी के सारे आभूषण गायब थे। इनकी कीमत करीब 40 लाख रुपये बताई गई है।

सूचना पर सीओ सदर राजीव कुमार और थाने का फोर्स पहुंच गया। फोरेंसिक टीम को मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने शोरूम पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। इसमें आधी रात के बाद 3:15 बजे एक रिक्शा चालक शोरूम के बाहर दिखाई दे रहा है। रिक्शे से आया चोर कुछ देर तक शोरूम के बाहर कुछ देर के लिए शटर तक जाता है। शोरूम के आसपास घूमने के बाद लौट जाता है। शुक्रवार की भोर 4:15 बजे वह दोबारा शोरूम पर पहुंचता है। शटर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश करता है। वहां से 4:37 बजे वह बाहर निकल जाता है।

करीब 22 मिनट के दौरान रिक्शे से आया चोर शोरूम से 800 ग्राम सोने के जेवरात, 30 से 35 किलोग्राम चांदी के जेवरात लेकर भाग गया। पुलिस चोर का सुराग लगाने के लिए आसपास इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी चेक कर रही है। इससे कि उसके भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। सीओ सदर राजीव कुमार ने बताया चोर का सुराग लगाने के प्रयास किए जा रह हैं। घटना के पर्दाफाश करने के लिए कई टीमें लगाई हैं।

एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता श्रीनगर में कोविड-19 का परीक्षण करने के लिए एक कश्मीरी महिला के नाक के स्वाब का नमूना लेते हुए।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नादिया जिले के नबद्वीप में राज्य विधानसभा चुनाव के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित किया।

लोग कोलकाता में चल रहे कोविड-19 मामलों में स्पाइक के बीच, नखोदा मस्जिद के सामने रमजान महीने के पहले शुक्रवार को नमाज़ अदा करते हुए।

## एक नजर

### कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता को लेकर अशोक गहलोत ने कहा- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने असत्य बोला

**जयपुर** । कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन से यह उम्मीद नहीं करता था कि वे राज्यों में पर्याप्त वैक्सीन उपलब्ध होने जैसा असत्य बयान नहीं देंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा राज्यों पर मिस मैनेजमेंट का आरोप लगाना एकदम गलत है। गहलोत ने लिखा, केंद्र सरकार ने 10 प्रतिशत वैक्सीन के खराब होने की छूट दी थी। लेकिन राजस्थान में वैक्सीन के वेस्टेज का प्रतिशत सिर्फ 7 है। राजस्थान में पूरे देश में सबसे अधिक वैक्सीनेशन हुआ हे। केंद्र सरकार को यह मानने में कोई बुराई नहीं है थी कि देश में कोरोना वैक्सीन की उपलब्धता कम है और राज्य सरकारों को उसी के अनुरूप वैक्सीनेशन का कार्यक्रम बनाना चाहिए। उन्होंने लिखा, केंद्र सरकार राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिसा, झारखंड, आंध्रप्रदेश, पंजाब, दिल्ली, झारखंड, उत्तराखंड और असम में वैक्सीन की नियमित आपूर्ति करने में विफल रही है। जिसके कारण इन राज्यों में कई जगह वैक्सीनेशन सेंटर बंद हो गए। गहलोत ने लिखा, मैं उम्मीद करता हूं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री कोरोना संक्रमण और वैक्सीनेशन पर गलत बयानबाजी करने के बजाय आमजन के हित में सत्य सामने रखकर काम करेंगे। मेरा यह भी मानना है कि केंद्र सरकार को इस बारे में गलत बयानबाजी करने की जगह अधिकारिक तौर पर एडवायजरी जारी कर कहना चाहिए था कि वैक्सीन उपलब्ध होने में थोड़ा समय लगेगा।

### भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा- दो मई को बंगाल में ऐतिहासिक नतीजे आने वाले हैं, बंगाल की जनता विकास के साथ

**कोलकाता** । केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि चार चरणों के मतदान में भाजपा निर्णायक बढ़त ले चुकी है। शेष बचे चरणों में भी जनता तृणमूल कांग्रेस को बाहर का रास्ता दिखाने वाली है। उन्होंने कहा कि दो मई को बंगाल में ऐतिहासिक नतीजे आने वाले हैं और भाजपा की सरकार बनने जा रही है। बंगाल की जनता सुनहरे भविष्य के साथ है, विकास के साथ है, शांति और सौहार्द के साथ है, बंगाल की जनता भाजपा के साथ है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री ने बनगांव और स्वरूपनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने स्वरूपनगर में होने वाली केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रैली की तैयारियों का जायजा भी लिया। शेखावत ने बागदा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी विश्वजीत दास के लिए वोट मांगे। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि इस बार विधानसभा में ममता दीदी नहीं दिखेंगी, बल्कि वो सिर्फ एक पूर्व विधायक रह जाएंगी। नंदीग्राम से ममता दीदी चुनाव हार रही हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए शेखावत ने कहा कि चार चरण का मतदान होने के बाद कांग्रेस के युवराज की नींद खुली है। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि भाजपा ने बंगाल को नफरत और हिंसा नहीं, बल्कि अपना खून दिया है। हमारे कई कार्यकर्ता बंगाल के बेहतर भविष्य के लिए न्योछावर हो गए।शेखावत ने कहा कि भाजपा बंगाल को हिंसा और अराजकता की राजनीति से मुक्त करा कर रहेगी। बंगाल की जनता ने सोनार बांग्ला का जो सपना देखा है, वो अवश्य पूरा होगा।

### कश्मीर के व्यापारी से जबरन वसूली करने वाले भाजपा पंच समेत तीन गिरफ्तार, सरपंच फरार

**श्रीनगर** । उत्तरी कश्मीर के सोपोर में पुलिस ने एक व्यापारी से जबरन वसूली के तीन आरोपितों को शुक्रवार को गिरफ्तार करने का दावा किया है। उनका एक साथी सरपंच फरार है जबकि पकड़े गए आरोपियों में एक आरोपित भाजपा का नेता और पंच भी शामिल है। फिलहाल, तीनों से पूछताछ जारी है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पांजीपोरा सोपोर के रहने वाले एक व्यापारी मुदस्सर अहमद शेख ने पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज करायी। उसने बताया कि वह तीन-चार अप्रैल की मध्यरात्रि को नादिहाल स्थित अपने ससुराल में था। उस रात वहां कुछ अज्ञात बंदूकधारी जबरन मकान में दाखिल हो गए। उन्होंने उसे (मुदस्सर अहमद शेख) जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि वह उन्हें (बंदूकधारियों को) दक्षिण कश्मरी में एक जगह विशेष पर अपनी कार में पहुंचाए। इसके अलावा उन्होंने उससे उसके दो मोबाइल फोन भी छीन लिए। उसे इस बात के लिए भी धमकाया कि वह इस घटना का जिक्र किसी से नहीं करे। मुदस्सर अहमद शेख की शिकायत पर पुलिस एक एफआइआर दर्ज कर जांच शुरु कर दी। जांच में पता चला कि मुदस्सर व उसके ससुराल वालों का लोन ट्रेडर्स के नाम से बारामुला व सोपोर में एक बड़ा कारोबार है। पुलिस ने मुदस्सर व उसके रिश्तेदारों से पूछताछ और तकनीकी सुबूतों के आधार पर मिनीपोरा क्रांकशवन सोपोर के मेहराजुदीन राथर को पूछताछ के लिए तलब किया। मेहराजुदीन राथर एक पंच है और भाजपा की जिला इकाई का एक वरिष्ठ नेता है। पूछताछ के दौरान उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि लोन ट्रेडर्स से एक बड़ी रकम वसूलने के लिए ही उसने यह सारी साजिश अनंतनाग जिले में हरदपोरा अच्छाबल के मोहम्मद सलीम के साथ मिलकर रची थी। मोहम्मद सलीम भी भाजपा का एक नेता है और अपने इलाके का सरपंच भी है। मेहराजुदीन ने बताया कि इस साजिश में उसके साथ नादिहाल का बशीर अहमद लोन और दच्छनीपोरा रुहामा का मोहम्मद दिलावर ख्वाजा भी शामिल था। मेहराज ने पहले बशीर के साथ संपर्क किया और उसे पूरी योजना समझाई। बशीर ने दिलावर को साथ जोड़ा और हथियारों का बंदोबस्त किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मेहराजुदीन से मिली जानकारी के आधार पर बशीर अहमद लोन और दिलावर खान को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इन दोनों ने भी अपना अपराध कबूल कर लिया है लेकिन अनंतनाग का सरपंच मोहम्मद सलीम फरार हो गया है। उसे पकड़ने के लिए उसके ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

### लेह में कोरोना के मामलों में तेजी के बीच बनाए 2 माइक्रो कंटेनमेंट जोन

**जम्मू** । केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में कोरोना संक्रमण के मामलों में तेजी के बीच प्रशासन ने लेह जिले में दो माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाने के साथ टेस्ट करने की प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। लद्दाख में कोरोना संक्रमण के 186 नए मामले सामने आने के साथ हीइस समय क्षेत्र में इलाज करवा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 1165 तक पहुंच गई है। इनमें से 1106 मामले लेह व 59 कारगिल जिले से हैं। वहीं अब सामने आए 186 नए मामलों में से 166 लेह जिले से व 20 मामले करगिल जिले से हैं।

## तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर बोला हमला, और कहा- कोरोना महामारी के बीच चुनाव कराना आपराधिक लापरवाही

**कोलकाता** । तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को चुनाव आयोग (ईसी) पर हमला बोला और कहा कि कोरोना महामारी के बीच बंगाल में आठ चरणों में विधानसभा चुनाव कराने का निर्णय आपराधिक लापरवाही से होने वाली हत्या है। तृणमूल सांसद व प्रवक्ता महुआ मोइत्रा ने ट्वीट किया कि निश्चित रूप से यह आपराधिक लापरवाही से की जाने वाली हत्या है। बंगाल में महामारी की भयावह स्थिति के आठ चरण का चुनाव कराना अनिवार्य है। यह अविश्वसनीय है। कोलकाता में कोरोना की स्थिति विकट है। राज्य में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 6769 नए मामले सामने आए, 2387 लोग ठीक हुए और 22 की मौत हो गई।

बता दें बंगाल चुनाव के पांचवें चरण के लिए

मतदान 17 अप्रैल को होने वाला है। चुनाव के पहले के चार चरण क्रमशः 27 मार्च, 1 अप्रैल, 6 अप्रैल और 10 अप्रैल को हुए थे, जबकि अन्य प्रदेशों की भांति कोरोना की दूसरी लहर में बंगाल में भी कोरोना की भयावह स्थिति है।

**बंगाल में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 6769 नए मामले**

चुनावी राज्य बंगाल में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 6769 नए मामले सामने आए, 2387 लोग ठीक हुए और 22 की मौत हो गई। राज्य में अब संक्रमण के कुल मामले छह लाख 36 हजार 885 हो गए हैं। इनमें से पांच लाख 89 हजार 424 लोग ठीक हो चुके हैं और 10,480 की मौत हुई है। राज्य में अब कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 36,981 हो गई है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए शहर में कल से टीकाकरण शुरू होने वाला है। कोलकाता नगर निगम के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार, 16 अप्रैल से शहर के 144 वार्डों में टीकाकरण किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए उचित उपाय भी किए जा रहे हैं। शहरवासी शहर के स्वास्थ्य केंद्रों से वैक्सीन ले सकते हैं।

## कोरोना से बचाव के लिए महाराष्ट्र ने तय किया लक्ष्य कहा- प्रतिदिन 7 लाख लोगों का हो टीकाकरण

**मुंबई** । महाराष्ट्र में कोरोना महामारी के तेजी से फैल रहे संक्रमण पर लगाम लगाने के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे का कहना है कि हम दैनिक आधार पर कोविड-19 के खिलाफ 6 से 7 लाख लोगों का टीकाकरण करना चाहते हैं। इसके लिए राज्य को हर सप्ताह 40 से 45 लाख कोरोना वायरस वैक्सीन की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर टीकाकरण करने से राज्य में कोविड-19 मामलों को कम करने और इसके प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, महाराष्ट्र में दैनिक आधार पर 6 से 7 लाख लोगों को टीकाकरण करना है, जिसके लिए हमें साप्ताहिक आधार पर 40-45 लाख वैक्सीन की शीशी प्राप्त करने की आवश्यकता है। टोपे ने कहा अगर हम एक दैनिक आधार पर इतने सारे लोगों को टीका लगाते हैं तो राज्य में फैल रहे कोविड-19 को रोकने के लिए एक बड़ा कदम होगा। कोविड-19 के कारण हुई मौतों की बात करें तो महाराष्ट्र देश में सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है।

मुझे लगता है कि अगर राज्य के एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें विपक्ष के सदस्य भी शामिल हैं, केंद्र के सामने इस मुद्दे को उठाते हैं, तो हमें लोगों की जान बचाने के लिए और टीके मिल सकते हैं और हम ऐसा करना होगा। टोपे ने रेमेडिसिविर की कमी पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, जब कोरोना संक्रमण के मामले कम हो रहे थे तो सात निर्माताओं ने अपने उत्पादन को कम कर दिया था जिससे इस दवा की कमी देखी जा रही है।

## अयोध्या के राम मंदिर का पंचकोसी परिक्रमा घाट द्वार की शोभा बढ़ाएगा जोधपुर का छीतर सेंड स्टोन

**जोधपुर** । अयोध्या नगरी में बनने जा रहे प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण के तहत पंचकोसी परिक्रमा घाट के द्वार बनाने का सौभाग्य जोधपुर के पत्थरों को मिला है। छीतर के नाम से विश्वप्रसिद्ध इस पत्थर से अयोधया के पंचकोसी परिक्रमा घाट के द्वार बन रहे हैं। 350 घनफुट जोधपुरी पत्थर से घड़ी यह पोल अयोध्या में स्थापित होने के लिए भेजी गई है।

पूरी दुनिया में प्रसिद्ध जोधपुर के सेंड स्टोन को स्थानीय भाषा मे छितर का भाटा भी कहा जाता है। जोधपुर जोधपुर के मकानों की शान के साथ-साथ यह शहर की पहचान भी है। और अब छीतर पत्थर की पहचान राम मंदिर में दिखाई देगी। पंचकोसी परिक्रमा नया घाट पर बन रहे द्वार जोधपुर में तैयार किए गए हैं। मंदिर के आसपास के क्षेत्र में तकरीबन 64 स्वागत द्वार बनाए जाएंगे जिसकी पहली पोल स्वागत द्वार जोधपुर के पत्थर से बनी है।

जोधपुर के सूरसागर घोड़ा घाटी इलाके की अरुणा माइंस एंड अरुणा स्टोन से प्रिया पत्थर निकला है, जोधपुर के कारीगर भोमाराम प्रजापत और उनकी टीम ने 25 दिन में तैयार किया है। 15 फुट चौड़े और 21 फुट ऊंचे इस भव्य द्वार पर नक्काशी की गई है। इसके अलावा राम दरबार को भी उकेरा गया है। आलीशान नक्काशी से सुसज्जित इस विशालकाय द्वार को अलग-अलग टुकड़ों में यहां बनाया गया है जिसे अयोध्या में ले जाकर जोड़ा जाएगा। पोल द्वार की पूरी चौड़ाई 20 गुणा 25 फीट की होगी अंदर की साइज 15 गुणा 19 फ़ीट की रखी गयी है।

अब छीतर पत्थर की पहचान राम मंदिर में दिखाई देगी।श्रीराम के मंदिर निर्माण के तहत पंचकोसी परिक्रमा घाट के द्वार बनाने का सौभाग्य जोधपुर के पत्थरों को मिला है। छीतर के नाम से विश्वप्रसिद्ध इस पत्थर से अयोधया के पंचकोसी परिक्रमा घाट के द्वार बन रहे हैं।

जोधपुर का उम्मेद भवन पैलेस इस पत्थर की जीती जागती बानगी है। जिसकी सुंदरता जोधपुर के सैंड स्टोन से ही बनी है। हालांकि अलवर क्षेत्र से निकलने वाले पत्थर की अपेक्षा जोधपुर का सेंड स्टोन थोड़ा सख्त माना जाता है वही चमक के मामले में बालू मिट्टी होने के कारण यह जल्दी काला नहीं पड़ता और इसकी चमक बरकरार रहती है ।

## राजस्थान में कोरोना का विस्फोट हर घंटे मिल रहे 250 मरीज, शुक्रवार शाम से सोमवार सुबह तक कर्फ्यू

**जयपुर** । राजस्थान में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। संक्रमण पीड़ितों की संख्या में प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रही है। पिछले दो दिन के आकडों को देखते हुए प्रति घंटे 200 से 250 नए मरीज मिल रहे हैं। तेजी से फैलते संक्रमण को देखते हुए सरकार ने शुक्रवार शाम 6 बजे से सोमवार सुबह 5 बजे तक पूरे प्रदेश में कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया है। कर्फ्यू और तय गाइडलाइन का पालन कराने को लेकर पुलिस व जिला प्रशासन को सख्ती करने के लिए कहा गया है। अचानक मांग बढ़ने के बाद सरकार ने रेमेडीसीवर इंजेक्शन जिलों में भेजे हैं। अस्पतालों में 44 नई आरटीपीसीआर मशीनें और 28 नई आरएनए एक्सट्रैक्शन मशीने उपलब्ध कराई गई है। ऑक्सीजन उपलब्ध कराने को लेकर

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

जयपुर में 10 हजार, उदयपुर में 7 एवं अन्य जिला अस्पतालों में प्रतिदिन 2 हजार टेस्ट का लक्ष्य तय किया गया है। चिकित्सा शिक्षा सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि सभी जिलों के अस्पतालों में बैड्स बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा जयपुर, उदयपुर, कोटा, भीलवाड़ा और झालावाड़ में हालात नियंत्रण में नहीं आ रहे हैं। प्रदेश के सभी जिलों में संक्रमित मिलने से चिंतित सरकार ने चिकित्सकों की छुट्टियां रद्द कर दी है। शनिवार को तीन विधानसभा क्षेत्रों राजसमंद, सुजानगढ़ व सहाड़ा विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले उप चुनाव के लिए मतदान के समय में कर्फ्यू की छूट दी गई है।

विवाह समारोह की रिकॉर्डिंग कराने के लिए जिला कलेक्टरों को कहा गया है। किसी भी विवाह समारोह में 50 से अधिक लोगों के मिलने पर विवाह स्थल के मालिक के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। वर व वधु पक्ष का भी चालान किया जाएगा। अंतिम संस्कार में 20 लोगों के शामिल होने की बाध्यता सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय थाना अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

## मुंबई के हाफकिन बायो फार्मास्युटिकल में भी बनेगी कोवैक्सीन, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

**मुंबई** । केंद्र सरकार ने मुंबई स्थित हाफकिन बायो फार्मास्युटिकल को भारत बायोटेक की एंटी कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन बनाने की अनुमति दे दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पहले केंद्र से अनुरोध किया था कि वह हाफकिन इंस्टीट्यूट को कोवैक्सीन का उत्पादन करने की अनुमति दे, जो वर्तमान में हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक द्वारा पुणे में बनाया गया है।

इस संबंध में केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव रेणु स्वरूप ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव सीताराम कुंटे को अनुमोदन पत्र भेजा था।

स्वरूप ने राज्य सरकार को सूचित किया कि केंद्र ने कोवैक्सीन उत्पादन के लिए हाफकीन बायो-फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को मंजूरी दे दी है। ये निर्णय विशेषज्ञों द्वारा दी गई मंजूरी के बाद लिया गया है।

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा था कि मिशन कोविड सुरक्षा'के तहत हाफकिन बायो फार्मास्युटिकल को आइसीएमआर द्वारा तकनीक के हस्तांतरण की अनुमति मिलनी चाहिए जिससे कोरोनावायरस वैक्सीन का निर्माण किया जा सके। इसे फर्म फिल और फिनिश ऑपरेशंस के साथ आरंभ किया जा सकता है। इस फर्म में 126 मिनियन वैक्सीन निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। हाफकिन बायो फार्मास्युटिकल ने जनवरी में भारत बायोटेक से तकनीक के हस्तांतरण के लिए ICMR(भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ) से अनुमति मांगी थी, जिसने देश में प्रथम स्वदेशी कोविड-19 वैक्सीन विकसित की है। बता दें कि हाफकिन राज्य सरकार के स्वामित्व वाला एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

## कोरोना के कहर से जूझ रहे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए महाराष्ट्र में मुफ्त में सौ टन ऑक्सीजन देंगे मुकेश अंबानी

**नई दिल्ली** । अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जामनगर में स्थित अपनी दो तेल रिफाइनरियों से महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में ट्रकों से ऑक्सीजन पहुंचा रही है। इस औद्योगिक ऑक्सीजन में मामूली बदलाव से इसे चिकित्सकीय उपयोग के लायक बनाया जा सकता है। यह ऑक्सीजन वैश्विक महामारी कोविड-19 के मरीजों को दी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक जामनगर की रिफाइनरी से सौ टन ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। मानवीय जरूरतों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए कंपनी यह ऑक्सीजन निशुल्क मुहैया करा रही है। इस बीच, महाराष्ट्र के शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे ने भी

रिलायंस की ओर से राज्य को सौ टन ऑक्सीजन मिलने की पुष्टि की गई है। वहीं, एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि ऑक्सीजन के सिलेंडरों से लदे ट्रक अभी रास्ते में हैं। हालांकि,एक अन्य सूत्र ने बताया कि स्थानीय प्रशासन के ट्रकों की आवाजाही रोकने के बाद यह ट्रक जामनगर में ही फंसे हुए हैं। बताया जा रहा है कि जामनगर में ऑक्सीजन ला रहे चार दर्जन ट्रक फंसे हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य में ऑक्सीजन की भारी किल्लत होने की बात कही थी। तेल रिफाइनरी नाइट्रोजन के उत्पादन के लिए अपने एयर-सेपरेशन प्लांट में औद्योगिक ऑक्सीजन भी तैयार करती हैं। इस ऑक्सीजन में कार्बनडाईऑक्साइड और अन्य गैसें हटाकर चिकित्सकीय उपयोग वाली 99.9 फीसद शुद्धता वाली ऑक्सीजन तैयार की जा सकती है।इस बीच, सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने भी कहा कि वह अपने कोच्चि स्थित रिफाइनरी से केरल के लिए चिकित्सकीय ऑक्सीजन की सप्लाई करेगा। ताकि कोविड-19 के गंभीर मरीजों का समुचित इलाज हो सके। बीपीसीएल का कहना है कि वह प्रतिदिन 1.5 टन ऑक्सीजन कोच्चि के सरकारी अस्पतालों को देंगे। सरकारी अस्पतालों को यह आपूर्ति मुफ्त में की जाएगी। कोच्चि रिफाइनरी में लिक्विड ऑक्सीजन 99.7 फीसद की शुद्धता से बनाई जाती है।

## कोरोना के कारण अगले आदेश तक बंद हुआ कोणार्क सूर्य मंदिर, पर्यटक हुए निराश

**भुवनेश्वर** । कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर ने डर का माहौल एक बार फिर बना दिया है। बढ़ते संक्रमण के चलते पुरातत्व विभाग के अधीन आने वाले सभी ऐतिहासिक स्थल एवं संग्रहालय को बंद कर दिया गया है। इसी क्रम में आज कोणार्क सूर्य मंदिर को भी बंद कर दिया गया है। परिणाम स्वरूप आज सुबह ही सूर्य मंदिर घूमने आए पर्यटकों को निराश होना पड़ा है। संक्रमण बढ़ने से 15 मई तक या फिर अगले आदेश तक कोणार्क मंदिर को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है।

कोरोना संक्रमण के कारण 8 महीने तक सूर्य मंदिर बंद रहने के साथ ही यहां सभी छोटे-बड़े व्यवसाय प्रभावित हुए थे। अब पुनः बिना किसी पूर्ववत सूचना के पर्यटन स्थल को बंद कर दिए जाने से जीवन जीविका प्रभावित हुई है। गौरतलब है कि राज्य में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को लेकर सरकार ने सख्त कदम उठाया है। पहले पश्चिम ओडिशा के 10 जिलों में सरकार ने रात्रिकालीन कर्फ्यू लगाया था। अब इसमें परिवर्तन कर दिया है। शनिवार से पश्चिम ओडिशा के 10 जिलों में शाम 6 बजे से भोर 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगा दिया गया है।

## ओडिशा में जारी है कोरोना का कहर, 3108 नए मामले, 16889 मरीज सक्रिय; तीन मौत

**भुवनेश्वर** । ओडिशा में कोरोना संक्रमण के आज 3108 नए मामले सामने आने के साथ ही तीन संक्रमित रोगियों की मौत हो गई है। नये संक्रमित मरीजों में से क्वारेंटाइन सेंटर से 1806 तथा स्थानीय संक्रमण के 1302 मामले शामिल हैं। राज्य सरकार के स्वास्थ्य परिवार कल्याण विभाग ने ट्वीट कर बताया कि अस्पताल में इलाज के दौरान तीन कोरोना मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से एक मरीज बलांगीर जिले का है, दूसरा गंजाम और तीसरा संबलपुर जिले का है। संक्रमण के मामले में खुर्दा जिला ने सुंदरगढ़ को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि ये दोनों जिला आज भी राज्य में सर्वाधिक संक्रमण वाले जिले के रूप में कायम हैं। कटक जिले में भी संक्रमण ने उड़ान भरी है।

राज्य सरकार के सूचना और जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक नए संक्रमित मरीजों में अनुगुल जिले में 44, बालेश्वर में 151, बरगढ़ में 132, भद्रक में 53, बलांगीर में 133, बौद्ध में 9, कटक में 163, देवगढ़ में 19, ढेंकानाल में 16, गजपति में 18, गंजाम में 55, जगतसिंहपुर में 29, जाजपुर में 75, झारसुगुड़ा में 89, कलाहांडी में 55, कंधमाल में 10, केंद्रापड़ा में 22, केंदुझर में 105, खुर्दा में 534, कोरापुट में 23, मालकानगिरि में 3, मयूरभंज में 71, नवरंगपुर में 156, नयागढ़ में 15, नुआपड़ा में 140, पुरी में 114, रायगड़ा में 38, संबलपुर में 153, सोनपुर में 42, सुंदरगढ़ में 523 तथा स्टेट पूल में 118 कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।गौरतलब है कि प्रदेश में अब तक कुल 9528182 लोगों का कोविड परीक्षण हुआ है। इसमें से अब तक कुल 361450 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं।

हालांकि इनमें से 342570 लोग स्वस्थ होकर अपने घर जा चुके हैं। आज कोरोना से हुई तीन मौत को मिलकार अब तक 1938 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। इसी का साथ प्रदेश में 16889 सक्रिय मामले हैं, जिनका विभिन्न कोविड अस्पताल में इलाज चल रहा है।

# नोरा फतेही ने 'नाच मेरी रानी' पर दिखाए ऐसे डांस मूव्स, माधुरी भी हुई हैरान

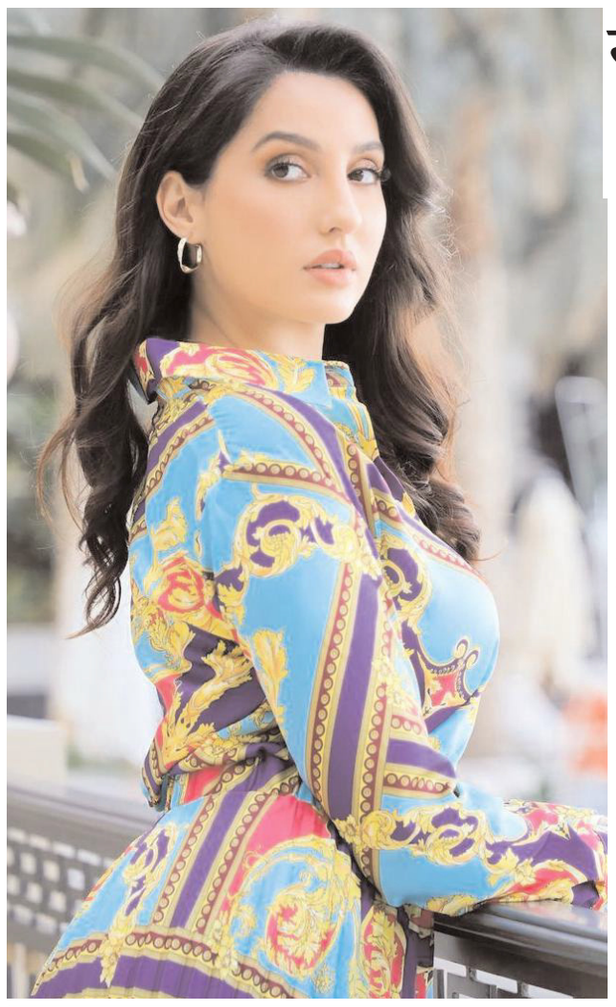

'डांस दीवाने 3' में इस वीकेंड डांसर और ऐक्ट्रेस नोरा फतेही नजर आएंगी। नोरा फतेही हाल ही इस एपिसोड की शूटिंग की थी, जिसमें वह शो की जज माधुरी दीक्षित के साथ 'दिलबर' और 'मेरा पिया घर आया' गानों पर डांस करती दिखी थीं। नोरा फतेही और माधुरी के डांस वीडियो ने सोशल मीडिया पर धमाल मचाया हुआ है। इसी बीच नोरा फतेही का एक और डांस वीडियो सामने आया है, जिसमें वह 'डांस दीवाने 3' के जज तुषार कालिया के साथ 'नाच मेरी रानी' पर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो को कलर्स चैनल ने अपने ऑफिशल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। 'नाच मेरी रानी' गाने पर नोरा फतेही, तुषार कालिया को कांटे की टक्कर दे रही हैं। उनके इस डांस फेस-ऑफ को देख माधुरी दीक्षित भी हैरान रह जाती हैं। सब जज और कंटेस्टेंट्स नोरा फतेही व तुषार कालिया के लिए तालियां और सीटी बजाते हैं। बता दें कि 'नाच मेरी रानी' गुरु रंधावा का गाना, जिसे नोरा फतेही पर फिल्माया गया था। 2020 में रिलीज हुआ यह गाना ब्लॉकबस्टर रहा था। यूट्यूब पर इसे अब तक 455 मिलियन से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है।

## करण वाही को मिली जान से मारने की धमकी, कुंभ के शाही स्नान और नागा साधुओं पर किया था पोस्ट

ऐक्टर करण वाही को हरिद्वार में चल रहे कुंभ मेले और नागा साधुओं पर एक पोस्ट करना भारी पड़ गया और अब उन्हें जान से मारने की धमकी के साथ-साथ नफरत भरे मेसेज भी मिल रहे हैं। इसकी जानकारी खुद करण वाही ने दी है। दरअसल करण वाही ने कोरोना महामारी के बीच हरिद्वार में हर की पौड़ी पर शाही स्नान के लिए नागा साधुओं के साथ इकट्ठा होने पर इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था, जिसके बाद अब उन्हें जान से मारने की धमकी मिल रही है। करण वाही ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, 'क्या नागा बाबाओं के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसा कल्चर नहीं है? जैसे कि गंगा से जल लाकर घर पर ही नहा लें? इस पर करण वाही पर कुछ लोगों ने धावा बोल दिया और नफरत भरे मेसेज भेजने लगे, जिनके स्क्रीनशॉट ऐक्टर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किए हैं। कई यूजर्स ने करण वाही पर हिंदू भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया है। वहीं करण वाही ने लिखा, 'तो मुझे गालियों और नफरत भरे मेसेज आ रहे हैं। जान से मारने की धमकियां भी मिल रही हैं। वाह भारत के लोग। अगर एक हिंदू होने का मतलब कोविड के प्रोटोकॉल को नजर अंदाज करना है, तब फिर आपमें से बहुत से लोगों को यह पढ़ने की जरूरत है कि आखिर हिंदू होना क्या है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हरिद्वार में चल रहे शाही कुंभ मेले में कोरोना का बुरी तरह कहर टूटा है। वहां 102 तीर्थयात्रियों के अलावा 20 साधु कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं।

**करण वाही ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, 'क्या नागा बाबाओं के लिए वर्क फ्रॉम होम जैसा कल्चर नहीं है? जैसे कि गंगा से जल लाकर घर पर ही नहा लें?**

# अर्जुन कपूर और तारा सुतारिया ने गोवा में शुरू की 'एक विलन रिटर्न' के सेकंड शेड्यूल की शूटिंग

साल 2014 में आई फिल्म 'एक विलेन' की सफलता के बाद निर्देशक मोहित सुरी ने इसी साल फरवरी में इसके सेकेण्ड पार्ट यानी 'एक विलेन रिर्टन्स' की घोषणा की थी। इस फिल्म में अर्जुन कपूर ,जॉन अब्राहम , दिशा पाटनी और तारा सुतारिया लीड रोल में नजर आयेंगी। फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग के बाद अब फिल्म के सेकेण्ड शेड्यूल की शूटिंग बुधवार से गोवा में शुरू हो गई। इसकी जानकारी खुद अभिनेता अर्जुन कपूर ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट शेयर कर दी। अर्जुन कपूर और तारा सुतरिया अपनी इस अपकमिंग फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। जल्द ही अभिनेता जॉन अब्राहम और दिशा पाटनी भी शूटिंग को ज्वाइन करेंगे। फिल्म 'एक विलेन रिर्टन्स' साल 2014 में आई रोमांटिक-थ्रिलर फिल्म एक विलेन का सिक्वल है। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और श्रद्धा कपूर लीड रोल में थे, जबकि रितेश देशमुख नेगेटिव रोल में थे। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी । वहीं फिल्म के सिक्वल की घोषणा के बाद से ही फैंस इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं और फिल्म का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। मोहित सूरी द्वारा निर्देशित 'एक विलन रिटर्न' को एकता कपूर और भूषण कुमार संयुक्त रूप से प्रोड्यूस करेगें। फिल्म अगले साल 11 फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

# जूनियर बच्चन ने की फैंस से मास्क लगाने की अपील

देश में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के बीच फिल्म अभिनेता अभिषेक बच्चन ने सोशल मीडिया के जरिये जागरूकता फैलाते हुए फैंस से मास्क लगाने की अपील की है।अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर उन्होंने अपनी एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में उन्होंने मुंह पर मास्क लगाया हुआ है। साथ ही ब्लैक कलर का गॉगल्स भी पहना हुआ है। इस तस्वीर को साझा करते हुए जूनियर बच्चन ने लिखा- 'प्लीज, प्लीज, प्लीज आप अपना मास्क पहनकर रखिए !!! अगर अपने लिए न सही, तो अपने परिवार, बड़ों, दोस्तों और प्रियजनों के बारे में सोचें।' अभिषेक बच्चन के इस पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं और इसपर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। गौरतलब है देश में इन दिनों एक बार फिर से कोरोना वायरस का कहर तेजी से बढ़ रहा है। बॉलीवुड के भी कई सितारे अब तक इसकी चपेट में आ चुके है।

पिछले साल खुद अभिषेक बच्चन भी कोरोना वायरस महामारी का शिकार हुए थे। हालांकि उन्होंने जल्द ही यह जंग जीत ली। वहीं पिछले साल की तरह इस साल भी कोरोना महामारी देश में अपना विकराल रूप दिखा रही है।

# मलाइका

## का डांस वीडियो वायरल, बर्थडे पर अकेले ही डांस फ्लोर पर मचा डाला था धमाल

मलाइका अरोड़ा का एक जबरदस्त ग्लैमरस डांस वीडियो चर्चा में हैं। इस वीडियो में मलाइका अरोड़ा अपने बर्थडे पार्टी पर धमाकेदार डांस करती दिख रही हैं। हालांकि, यह वीडियो 2019 पर उनके बर्थडे सेलिब्रेशन का है, लेकिन अपने डांस मूव्स की वजह से ऐक्ट्रेस का यह वीडियो इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रहा। मलाइका अरोड़ा बॉलिवुड की उन ऐक्ट्रेस में हैं, जो फिल्मों से भले दूर सही लेकिन खबरों में आए दिन रहती हैं। चाहे वह जिम लुक की वजह से हो या फिर बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के साथ आउटिंग को लेकर, मलाइका अरोड़ा सुर्खियों में लगातार रहती हैं। मलाइका 45 प्लस होने के बावजूद अपने ग्लैमरस अंदाज की वजह से फैन्स के बीच काफी चर्चा में रहती हैं। मलाइका अरोड़ा का यह डांस वीडियो इंटरनेट पर छाया है। साल 2019 में मलाइका ने अपने बर्थडे पर खूब धमाल मचाया था और अब उसी पार्टी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर छाया है। इस वीडियो में मलाइका अकेली डांस फ्लोर पर धमाल मचाती दिख रही हैं। यहां बताते चलें कि एक नए सिलेब्रिट कुकिंग शो में मलाइका और अर्जुन कपूर भी नजर आनेवाले हैं। हाल ही में इस शो का प्रोमो वीडियो वायरल हुआ जिसमें कई सितारों के साथ मलाइका और अर्जुन कपूर भी अपना कुकिंग कौशल दिखाते नजर आए हैं।

# जब सनी देओल ने सुनील शेट्टी को 'गदर' के गाने पर कराया था डांस

सनी देओल और सुनील शेट्टी का एक मजेदार डांस वीडियो इस वक्त चर्चा में है। इस थ्रोबैक वीडियो में सनी देओल सुनील शेट्टी फिल्म 'गदर' के गाने 'मैं निकला ओ गड्डी लेके' गाने पर मूव्स सिखाते नजर आ रहे हैं। बता दें कि सनी देओल और सुनील शेट्टी का यह वीडियो तब का है जब दोनों रेमो के शो डांस प्लस पर पहुंचे थे। इस शो पर बतौर गेस्ट पहुंचे दोनों ऐक्टर्स ने अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया। बता दें कि साल 2001 में सनी देओल , अमीषा पटेल और अमरीश पुरी की मुख्य भूमिकाओं वाली फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' रिलीज हुई थी। पिछले काफी समय से इस फिल्म के सीक्वल को लेकर चर्चा है। सनी देओल के प्रफेशनल फ्रंट की बात करें तो वह 'अपने 2' में नजर आनेवाले हैं। धर्मेंद्र, सनी देओल, बॉबी देओल के साथ ही करण देओल लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए धर्मेंद्र के परिवार की तीन पीढ़ियां एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगी। धर्मेंद्र भी 'अपने 2' के जरिए लंबे समय बाद सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने वाले हैं।

# कोरोना वायरस के संक्रमण से स्वस्थ होकर अस्पताल से घर लौटीं अभिनेत्री तबस्सुम

जानी-मानी अभिनेत्री और टॉक शो कार्यक्रम की मेजबान तबस्सुम कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद स्वस्थ होकर अस्पताल से घर लौट आयी हैं। उनके बेटे होशांग गोविल ने इस बारे में बताया। अभिनेत्री 10 दिन पहले कोविड-19 से संक्रमित हुई थीं और उन्हें इलाज के लिए शहर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पीटीआई-के साथ बुधवार की रात को बातचीत में अभिनेता-फिल्मकार ने कहा कि जांच में कोविड-19 की पुष्टि नहीं होने पर उनकी मां घर वापस आ गयी हैं। होशांग ने अभिनेत्री की अस्पताल से बाहर आते समय विजयी मुद्रा में उनकी एक तस्वीर भी पोस्ट की। होशांग ने कहा, ''अपने प्रशंसकों के प्यार और आशीर्वाद से तबस्सुम गोविल की जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई और वह घर लौट आयी हैं। उन्होंने कोरोना वायरस को हरा दिया और योद्धा की तरह घर लौट आयी हैं। ईश्वर महान है।'' तबस्सुम दूरदर्शन पर 'फूल खिले हैं गुलशन गुलशन' की मेजबानी कर लोकप्रिय हुई। उन्होंने 'अभी तो मैं जवान हूं' कार्यक्रम की मेजबानी भी की। हाल में तबस्सुम के अल्झाइमर से ग्रसित होने की खबर का होशांग ने खंडन किया था और कहा था कि अभिनेत्री की सेहत बिल्कुल ठीक है। तबस्सुम ने बाल कलाकार के तौर पर अपने कॅरियर की शुरुआत फिल्म 'दीदार' से की थी जिसमें उन्होंने नरगिस के बचपन की भूमिका निभायी थी। 1952 में आयी 'बैजू बावरा' में उन्होंने मीना कुमारी के बचपन की भूमिका निभायी थी।

# खेसारीलाल यादव को छोड़ काजल राघवानी ने थामा जय यादव का हाथ, फोटो वायरल

भोजपुरी की स्टार अभिनेत्री काजल राघवानी का खेसारीलाल यादव के साथ विवाद जग जाहिर है, ऐसे में काजल राघवानी इन दिनों खेसारीलाल यादव से अलग भोजपुरी स्टार जय यादव के साथ रोमांस करते नजर आई हैं। उनके साथ रोमांटिक तस्वीर भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। तस्वीर में जय यादव और काजल राघवानी पति-पत्नी के रुप में भी नजर आए हैं और तस्वीर में उनकी गोद में एक बच्चा भी है। दरअसल, यह मामला पूरा फिल्मी है। आने वाली भोजपुरी फिल्म अमानत में अभिनेत्री काजल राघवानी और जय यादव प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के सेट पर शूटिंग के दौरान जय यादव और काजल राघवानी पति-पत्नी रूप में नजर आए, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर दी गई। महराजगंज में जय यादव, काजल राघवानी, ऋचा दीक्षित, मुकेश जायसवाल अभिनीत नई भोजपुरी फिल्म अमानत की शूटिंग पूरी हो गई है। इस फिल्म में मुकेश जायसवाल भी अपने अभिनय का जौहर दिखाने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन निर्देशक संजय श्रीवास्तव संभाल रहे हैं। फिल्म के निर्देशक संजय श्रीवास्तव ने कहा, इस फिल्म में पति पत्नी के रोल को रियलिस्टिक फील देने के लिए काजल और जय यादव को नैचुरल ढंग से परफॉर्म करने को कहा था, इन दोनों ने भी पति पत्नी के किरदार में जान डालने के लिए ऐसी एक्टिंग की जैसे यह दोनों रियल कपल हो। उन्होंने कहा, इस फिल्म में जय और काजल की जोड़ी दर्शकों के लिए भी एक सरप्राइज पैकेज होगा, साथ ही इसमे ऋचा दीक्षित भी एक सशक्त किरदार में अपनी अदा का जलवा बिखेरने वाली हैं। साथ एमएक्स टकाटक स्टार मुकेश जायसवाल भी अपने अभिनय का जौहर दिखाएंगे। इस फिल्म को लेकर जय यादव और काजल राघवानी काफी उत्साहित हैं। बी बी जयसवाल प्रोडक्शन हाउस की नई पेशकश अमानत के निर्माता बी. बी. जायसवाल, निर्देशक संजय श्रीवास्तव हैं। इसी प्रोडक्शन हाउस से भोजपुरी फिल्मोंगुंडों की आएगी बारात भी बनाई जा रही है, जिसमें काजल राघवानी, जय यादव दोबारा रोमांटिक रोल में दिखाई देंगे।

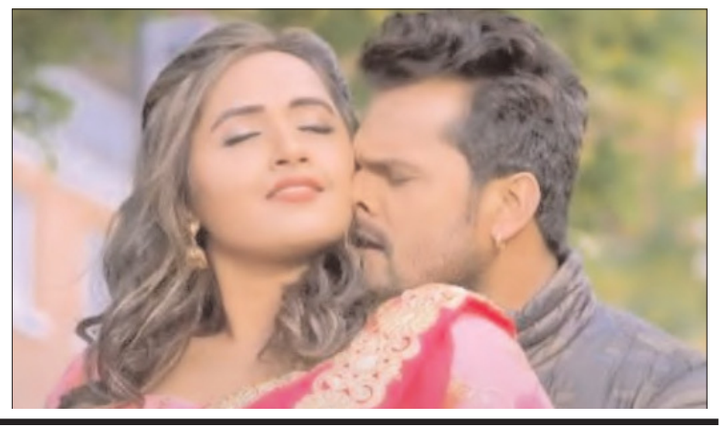

## हमने राजस्थान को अपने ऊपर हावी होने दिया : पंत

**मुंबई,** 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ यहां गुरुवार को जीतता हुआ मैच गंवाने वाले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि गेंदबाजों ने शुरुआत में अच्छा काम किया, लेकिन हमने अंत में राजस्थान को अपने ऊपर हावी होने दिया।

पंत ने कहा, हम इससे बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे। बहरहाल यह खेल का हिस्सा है। मैच के अंत में ओस ने बड़ी भूमिका निभाई। हमने 15-20 रन कम बनाए, लेकिन इस मैच से हमें कुछ फायदा भी हुआ है। गेंदबाजों ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया जो हमारे लिए अच्छे संकेत हैं। दूसरी पारी में बहुत अधिक ओस थी, इसलिए गेंद धीमी पर रुक कर नहीं आ रही थी, इसलिए हमें दूसरी पारी में कुछ खास करने की जरूरत थी और काफी हद तक खिलाड़ियों ने ऐसा किया भी, लेकिन अफसोस कि अंत में परिणाम में हमारे पक्ष में नहीं रहा।

### अश्विन को पूरे चार ओवर न देना शायद गलती थी : पोंटिंग

**नई दिल्ली।** राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ यहां गुरुवार को जीतता हुआ मैच हार जाने वाली दिल्ली कैपिटल्स पर अपने अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के ओवर पूरे न करवाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यहां तक कि टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने भी यह बात मानी है कि अश्विन से उनके कोटे के चार ओवर पूरे न करवाना शायद टीम की गलती थी। पोंटिंग ने मैच के बाद, जब मुझे टीम के साथ बैठने का मौका मिलेगा, तब मैं निश्चित रूप से इस बारे में बात करूंगा। अश्विन ने शानदार गेंदबाजी की और तीन ओवर में सिर्फ 14 रन दिए और इस दौरान कोई बाउंड्री भी नहीं लगने दी। बेशक पहले मुकाबले में उनका प्रदर्शन निराशाजनक था, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनका चीजों के साथ तालमेल बैठे, पिछले कुछ दिनों में बहुत मेहनत की और दूसरे मैच में चीजों को अपने पक्ष में किया। मेरे हिसाब से उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की।

# लय पाने को जूझ रही है मुंबई

- मुंबई इंडियंस के सामने हैदराबाद के खिलाफ जीत की मुश्किल चुनौती
- हैदराबाद को जीतना है तो वॉर्नर, बैरिस्टो, पांडे को करनी होगी सूझबूझ से बल्लेबाजी
- मुंबई और हैदराबाद की गेंदबाजी आईपीएल टीमों में है सबसे संतुलित

**नई दिल्ली।** मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस हार के साथ आगाज करने के बाद मौजूदा आईपीएल 2021 में जीत की राह पर वापस जरूर लौट आई, लेकिन अभी भी लय पाने के लिए जूझ रही है। मुंबई के शीर्ष क्रम में अकेले सूर्य कुमार यादव ही रंग में दिखे, जबकि कप्तान रोहित शर्मा, क्विंटन डी कॉक और इशान किशन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज भी रनों के लिए जूझते दिखे। पांडया बंधुओं-हार्दिक और क्रुणाल तथा किरान पोलार्ड का निचले क्रम मे अपनी ख्याति के मुताबिक ताबड़तोड़ करने में नाकाम रहना मुंबई की बड़ी परेशानी है। मुंबई के सामने अब शनिवार को चेन्नई में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को हरा कर जीत का सिलसिला जारी रखने की मुश्किल चुनौती होगी। अपने शुरू के दोनों मैच बेहद करीबी संघर्ष के बाद हारने वाली सनराइजर्स (एसआरएच) को जीत की राह पर वापस लौटना है तो कप्तान डेविड वॉर्नर, जॉनी बैरिस्टो के साथ मनीष पांडे को ज्यादा जिम्मेदारी और सूझबूझ से बल्लेबाजी करनी होगी। हैदराबाद के लिए वॉर्नर का रिद्धिमान साहा की बजाय बैरिस्टो से पारी का आगाज करना मुंबई के खिलाफ सबसे बढ़िया विकल्प होगा और ऐसे में तीसरे नंबर पर मनीष पांडे के पास मैच 'फिनिश' करने के ज्यादा बेहतर मौके रहेंगे।

ऐसे में बाएं हाथ के वॉर्नर और दाएं हाथ के बैरिस्टो में मुंबई के रफ्तार के सौदागरों- जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और मार्को येनसन की त्रिमूर्ति के लिए ज्यादा दिक्कत पेश आएगी ही। लेग स्पिनर राहुल चाहर को खासतौर पर वॉर्नर के खिलाफ अपनी लाइन लेंग्थ बदलने पर मजबूर होना पड़ेगा। मुंबई और हैदराबाद की गेंदबाजी संभवत: आईपीएल टीमों में सबसे संतुलित है। जीत उसी टीम को मिलने की उम्मीद ज्यादा है जिसके बल्लेबाज रंग दिखाएंगे। पिछली आईपीएल में आखिरी लीग मैच में हैदराबाद ने कप्तान वॉर्नर और साहा की सलामी जोड़ी की अविजित 151 रन की भागीदारी से मुंबई को दस विकेट से करारी शिकस्त दी, लेकिन तब मुंबई ने जसप्रीत बुमराह और बोल्ट को आराम दिया था। मुंबई ने मौजूदा आईपीएल में अपना अभियान अंतिम गेंद पर पहले मैच में आरसीबी से दो विकेट से हार के साथ किया था। लेग स्पिनर राहुल चाहर (4/27) की फिरकी के कमाल से मुंबई बाजी पलटते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को दस रन से हराकर जीत की राह पर वापस लौटी है। वहीं केकेआर ने नाजुक वक्त पर बेहतर गेंदबाजी कर हैदराबाद को दस रन से हरा कर अपना अभियान शुरू किया। मनीष पांडे और बैरिस्टो सहित मध्यक्रम की बेवजह की हड़बड़ी में गड़बड़ी के चलते मात्र दो रन के भीतर आरसीबी के लेफ्ट आर्म स्पिनर शाहबाज अहमद के एक ओवर में तीन विकेट गंवा कर हैदराबाद एक लगभग जीता मैच छह रन से

हार गई।

स्विंग के उस्ताद भुवनेश्वर कुमार, चतुर जेसन होल्डर, यॉर्कर किंग नटराजन और दुनिया भर के बल्लेबाजों के लिए पहेली बने लेग स्पिनर राशिद खान से सज्जित बेहद संतुलित गेंदबाजी ही हैदराबाद की ताकत है। हैदराबाद में अपने इस बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण की बदौलत मुंबई को कम स्कोर पर रोकने के साथ कम स्कोर का बचाव करने का दम है। मुंबई के लिए शुरू के दो मैचों में कुल सबसे ज्यादा 87 रन सूर्यकुमार यादव ने बनाए हैं, जबकि कप्तान रोहित कुल 62 रन बनाए। शुरू के दो मैचों में मुंबई के लिए एकमात्र अर्द्धशतक सूर्य ने ही जड़े। मुंबई के पॉवर हिटर्स -हार्दिक, क्रुणाल और पोलार्ड तीनों मिलाकर दो मैचों में 62 रन ही बना पाए हैं। मुंबई के खिलाफ पहले मैच में आरसीबी के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल (5/27) और दूसरे मैच में केकेआर के आद्रे रसेल (5/15) ने अपने और पारी के अंतिम ओवर में क्रमश: चार और तीन विकेट चटकाए थे। हैदराबाद के लिए गेंद से ऐसा कारनामा भुवी, जेसन होल्डर और नटराजन में से किसी एक ने भी कर दिया तो फिर मुंबई के लिए बड़ा स्कोर खड़ा तो मुश्किल हो जाएगा। हैदराबाद के लेग स्पिनर राशिद खान खासतौर पर मिडल ओवरों में मुंबई के लिए सबसे ज्यादा परेशानी खड़ी कर सकते हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या हैदराबाद लेफ्ट आर्म स्पिनर शाहबाज नदीम को लेग स्पिनर बरकरार रखते हुए अब तक नाकाम रहे ऑलराउंडर विजय शंकर की जगह केदार जाधव को आजमाएगा? जाधव बेशक विजय शंकर से बेहतर बल्लेबाज होने के साथ उपयोगी ऑफ स्पिनर होने के साथ हैदराबाद के लिए टीम संतुलन के लिहाज से बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

# धोनी के 200वें मैच में चेन्नई ने पंजाब को 6 विकेट से पीटा

## दीपक चाहर की शानदार गेंदबाजी, 13 रन देकर चार विकेट झटके

**मुंबई,** 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज दीपक चाहर (13 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से चेन्नई सुपरकिंग्स ने पंजाब किंग्स को आईपीएल 14 के मुकाबले में शुक्रवार को एकतरफा अंदाज में छह विकेट से पीटकर दो मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की। चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का यह 200 वां आईपीएल मैच था और उनकी टीम ने शानदार जीत हासिल की। चेन्नई ने पंजाब को 20 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन के मामूली स्कोर पर रोका और फिर 154 ओवर में चार विकेट पर 107 रन बनाकर आसान जीत अपने नाम की। चेन्नई ने रुतुराज गायकवाड 5 को जल्दी ही गंवाया लेकिन फाफ डू प्लेसिस और मोईन अली ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़कर टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। मोईन 31 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाकर मुरुगन अश्विन की गेंद पर शाहरुख खान के हाथों कैच आउट हुए। मोईन का विकेट 90 के स्कोर पर गिरा। मैदान पर आये सुरेश रैना नौ गेंदों पर आठ रन बनाकर मोहम्मद शमी की बाउंसर पर विकेटकीपर लोकेश राहुल के हाथों कैच आउट हुए। अम्बाटी रायुडू आने के साथ ही अपनी पहली गेंद को ऊंचा खेल गए और निकोलस पूरन ने आसान कैच लपक लिया। रायुडू का विकेट 99 के स्कोर पर गिरा।

लक्ष्य बड़ा नहीं था इसलिए चेन्नई को कोई परेशानी नहीं हुई। सैम करेन ने विजयी चौका मारकर मैच समाप्त किया। करेन पांच रन बनाकर और डू प्लेसिस 33 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाकर नाबाद रहे।

### संक्षिप्त स्कोर

पंजाब किंग्स : 20 ओवर में 8 विकेट पर 106 रन

चेन्नई सुपरकिंग्स : 15.4 ओवर में 4 विकेट पर 107 रन

### मिलर व मॉरिस की शानदार बल्लेबाजी से जीते मैच : सैमसन

**मुंबई,** 16 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यहां गुरुवार को आईपीएल 2021 के सातवें मुकाबले में जबरदस्त वापसी की बदौलत मैच जीतने के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि जब तक डेविड मिलर और क्रिस मॉरिस क्रीज पर थे तब तक कुछ उम्मीदें बनी हुई थी, लेकिन उन्हें सच में लगने लगा था कि यहां से मैच जीतना बहुत मुश्किल है और उन्हें लगता है कि दोनों खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी की और टीम को जिताया। सैमसन ने कहा, बात केवल परिस्थितियों को समझने और उनके अनुसार खेलने की थी। पारी की शुरुआत में थोड़ी मुश्किलें हुईं। विविधता के साथ सटीक लेंथ पर गेंदबाजी काफी काम आई। हमारी भी यही ताकत है। हमारे पास तीन बाएं हाथ के गेंदबाज हैं जो अन्य गेंदबाजों से थोड़े अलग हैं, इसलिए हम इनका अलग तरीके से इस्तेमाल कर सके। हमने इन तीनों गेंदबाजों के साथ बातचीत की और वह बहुत आश्वस्त थे, खासकर सकारिया अपनी योजना को लेकर बहुत स्पष्ट थे। उन्होंने ज्यादा कुछ करने की कोशिश नहीं की, केवल गेंद को अंदर की ओर लाने का प्रयास किया।

## संक्षिप्त समाचार

### धोनी को ऊपर बल्लेबाजी करनी चाहिए : गंभीर

**मुंबई।** पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने कहा है कि महेंद्र सिंह धोनी को ऊपर आकर बल्लेबाजी करनी चाहिए, यह बहुत मायने रखता है। उन्हें आगे आकर अपनी टीम का नेतृत्व करना शुरू करना चाहिए। गंभीर ने शुक्रवार को स्टार स्पोर्ट्स के शो ' क्रिकेट लाइव ' के दौरान कहा, मैं यहां इस बात पर जोर दूंगा कि एक लीडर को सामने से टीम का नेतृत्व करने की जरूरत है। आप सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए टीम की अगुआई नहीं कर सकते। हां, उनकी बॉलिंग लाइन अप में समस्याएं हैं। साथ ही वह अब पहले वाले धोनी नहीं रहे हैं, जो चार या पांच साल पहले हुआ करते थे और आते ही गेंदबाजों पर टूट पड़ते थे। मेरे हिसाब से धोनी को चार या पांच नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए, इसके अलावा किसी भी नंबर पर नहीं।

### एलेक्स डूलन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से लिया संन्यास

**मेलबोर्न।** ऑस्ट्रेलिया की तरफ से चार टेस्ट मैच खेलने वाले बल्लेबाज एलेक्स डूलन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 118 प्रथम श्रेणी मैचों में 6824, 42 लिस्ट ए मैचों में 1336 और 27 टी-20 मुकाबलों 409 रन बनाने वाले डूलन ने वर्ष 2014 में सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना टेस्ट पदार्पण किया था और दूसरी पारी में 89 रन की शानदार और प्रभावशाली पारी खेली थी। उन्होंने अपने चौथे और अंतिम टेस्ट से पहले दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ भी दो टेस्ट खेले थे। 35 वर्षीय डूलन ने शेफील्ड शील्ड क्रिकेट टूर्नामेंट में तस्मानिया के आठवें सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में प्रथम श्रेणी क्रिकेट छोड़ा है। डूलन ने कहा, यह कठिन नहीं था। क्रिसमस के समय जब बिग बैश लीग चल रहा था, तब मेरे पास दो सप्ताह का समय था और तभी सोचा कि अभी यह फैसला लेना सही है और मैंने सहजता के साथ यह फैसला लिया।

### न्यूजीलैंड क्रिकेट खिलाड़ियों व सपोर्टिंग स्टाफ को लगेगी कोविड वैक्सीन

**नई दिल्ली।** न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ को कोविड वैक्सीन लगाई जाएगी। इंग्लैंड दौरे में रवाना होने से पहले शनिवार से कोविड 19 वैक्सीन लगाने का अभियान शुरू किया जाएगा। न्यूजीलैंड सरकार ने मार्च में कहा था कि वो खिलाड़ियों को प्रतियोगी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए कोविड 19 वैक्सीन लगाएंगे। इंग्लैंड दौरे में न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के साथ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा। ये सीरीज दो जून से शुरू होगी। इसके बाद 18 जून से न्यूजीलैंड वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत से भिड़ेगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक न्यूजीलैंड की लोकल न्यूज वेबसाइट स्टफ ने ये जानकारी दी।

# आईपीएल के मैच पर सट्टा लगाते सात लोग गिरफ्तार

## आरोपियों के पास बरामद किए एक करोड़ 55 लाख रुपए

**अजमेर,** 16 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के गंज थाना क्षेत्र में पुलिस ने कल रात दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए आईपीएल मैच पर सट्टा लगाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी धर्मवीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि बीके कॉल नगर में दौलतराम सिंधी के मकान पर किराए पर रहने वाले सीकर एवं जयपुर के दो-दो युवकों को गिरफ्तार किया गया जो आईपीएल पर सट्टा लगा रहे थे।

आरोपियों के पास से एक करोड़ 55 लाख रुपए का हिसाब

बरामद होने के साथ साथ दो लैपटॉप, 31 मोबाइल हैंडसेट , एक अटेची बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में सीकर के नीरज और सुरेश तथा जयपुर के धनंजय और गौरव हैं जो किराए के मकान का सट्टेबाजी के काम में उपयोग करते थे। पुलिस चारों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस बीच हरियाणा की सिरसा सीआईए पुलिस ने राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल के बीच आईपीएल टी-20 क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाने के आरोप में तीन लोगों को स्थानीय डीसी कालोनी क्षेत्र से गिरफ्तार कर इनके कब्जे से 24 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक एलईडी टीवी, पांच हजार रुपए नगद और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने आज यह जानकारी देते हुये बताया कि पकड़े गए लोगों की पहचान रानिया रोड निवासी मेजर सेठी उर्फ रोमी, डिंग निवासी अमित और फतेहाबाद निवासी घनश्याम के रूप में हुई है। पकड़े गए आरोपियों समेत छह लोगों के खिलाफ सिविल लाइन्स थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

### स्पोर्टिंग व गोट क्लब अंतिम आठ में

**नई दिल्ली,** 16 अप्रैल (एजेंसियां)। विकेट कीपर बैट्समैन शिवम गुप्ता के दूसरे शतक (106 नॉट आउट) और हिमांशु राणा के 65 रनों की मदद से स्पोर्टिंग क्लब (190/2) ने रण स्टार क्लब (189/9) को आठ विकेट से हराकर चौथे आर के कपूर टी -20 क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतिम आठ में प्रवेश किया। दूसरे मैच में मनी ग्रेवाल (4/45) और नमन ग्रोवर (47) के उम्दा खेल की बदौलत गोट क्लब (200/6) ने एस एस स्पोर्ट्स (196/6) को चार विकेट से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

# अरुंधति चौधरी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

## गीतिका व सुमित ने भी अपने-अपने मुकाबले जीते

**नई दिल्ली,** 16 अप्रैल (एजेंसियां)। तीन बार की खेलो इंडिया चैंपियन अरुंधति चौधरी ने आईबा युवा पुरुष एवं महिला विश्व चैंपियनशिप में तीसरे दिन गुरुवार को कोलंबियाई मुक्केबाज डेनेइरा कासास को हरा कर 69 किग्रा महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि अन्य तीन भारतीय मुक्केबाज भी अपने-अपने मुकाबले जीतने में सफल रहे।

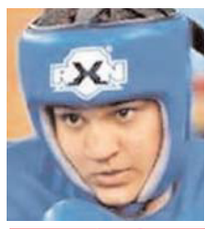

मुक्केबाजी

हाल ही में एड्रियाटिक पर्ल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली राजस्थान की अरुंधति ने शुरुआत से ही मुकाबले में अपना दबदबा बनाए रखा और कोलंबिया की डेनेइरा कासास को वापसी का मौका न देते हुए उसे 5-0 से आसानी से हरा कर अंतिम आठ में जगह बनाई, जहां उनका सामना यूक्रेन की अन्ना सेज्को से होगा। उनके अलावा विंका (60 किग्रा) और पूनम (57 किग्रा) ने भी अंतिम आठ में जगह बनाई है। दिन की सबसे प्रभावी मुक्केबाज भारत की गीतिका रही, जिन्होंने यूरोपीय चैंपियन रूस की डायना एर्माकोवा को महिला 48 किग्रा वर्ग के शुरुआती दौर के मुकाबले में ही 5-0 से आसानी से हरा दिया। वह दूसरे दौर में कजाकिस्तान की अरेलिम मरात से भिड़ेंगी। पुरुष 69 किग्रा वर्ग के मुकाबले में सुमित ने वेनेजुएला के राफेल पेरोमेडो को हराते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

### डार्सी ब्राउन का क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के साथ अनुबंध

**मेलबोर्न,** 15 अप्रैल (एजेंसियां)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने गुरुवार को केंद्रीय अनुबंधित महिला खिलाड़ियों की घोषणा की, जिसमें गत वर्ष की 15 सदस्यीय सूची की तुलना में सिर्फ एक ही बदलाव हुआ है। इस सूची में टॉप लेवल क्रिकेट से संन्यास लेने वाली डेलिसा किमिंस की जगह युवा डार्सी ब्राउन को शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता शॉन फ्लेग्लर ने इस 18 वर्षीय युवा खिलाड़ी को देश की सबसे तेज गेंदबाज करार दिया है। इससे पहले 17 वर्षीय लॉरेन चिटल को 2017 के केंद्रीय अनुबंध में रखा गया था। फ्लेग्लर ने कहा, डार्सी में अविश्वसनीय और रोमांचक तेज गेंदबाजी की प्रतिभा है। हमने हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ टी-20 और वनडे सीरीज में में यह देखा है। वह लगातार देश में सबसे तेज गेंदबाजी कर रही हैं। जूनियर रैंक में भी उनके पास जबरदस्त गति थी।

**क्रिकेट** *बीसीसीआई ने जारी की अनुबंध सूची*

# हार्दिक पांड्या ग्रेड-बी से ग्रेड-ए में पहुंचे

**नई दिल्ली, 15 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भारत की अनुबंध सूची (अक्टूबर 2020 से सितम्बर 2021) में ग्रेड बी (तीन करोड़ रुपए )से सुधार कर ग्रेड ए (पांच करोड़ रुपए) में शामिल कर लिए गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अनुबंध सूची जारी की जिसमें मुंबई के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने ऑस्ट्रेलिया के अपने शानदार प्रदर्शन के बलबूते ग्रेड सी (एक करोड़ रुपए) से ग्रेड बी में पहुंच गए हैं, जबकि भुवनेश्वर कुमार के चोट के कारण काफी समय मैदान से बाहर रहने और देश में तेज गेंदबाजों की बढ़ती सूची को देखते हुए मेरठ के भुवनेश्वर ग्रेड बी में खिसक गए हैं।**

### युजवेंद्र चहल अनुबंध में ग्रेड सी में फिसले

ऑस्ट्रेलिया दौरे में हीरो बने शुभमन गिल और मोहम्मद सिराज को ग्रेड सी का अनुबंध दे दिया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में चोटिल रवींद्र जडेजा की जगह अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाले अक्षर पटेल को भी ग्रेड सी में रखा गया है। ग्रेड सी के सफेद बॉल के खिलाड़ी मनीष पांडेय और केदार जाधव को कोई अनुबंध नहीं दिया गया है। भारत की कलाई के स्पिन जोड़ीदार कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल अनुबंध में ग्रेड सी

में फिसल गए हैं। कुलदीप ऑस्ट्रेलिया दौरे में इस्तेमाल ही नहीं हुए थे कुलदीप का इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में फरवरी 2021 में आखिरी टेस्ट एक साल के अंतराल के बाद आया था। भारतीय कप्तान विराट कोहली, सीमित ओवरों के उपकप्तान रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बीसीसीआई के ए प्लस (सात करोड़ रुपए) में बने हुए हैं। बीसीसीआई ने तीन खिलाड़ियों को ए प्लस, 10 खिलाड़ियों को ग्रेड ए, पांच खिलाड़ियों को ग्रेड-बी और 10 खिलाड़ियों को ग्रेड-सी दिया है।

### अनुबंध सूची

**ग्रेड ए+ ( सात करोड़ रुपए ):** विराट कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह

**ग्रेड ए ( पांच करोड़ रुपए ) :** रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, शिखर धवन, लोकेश राहुल, मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, ऋषभ पंत, हार्दिक पांड्या

**ग्रेड बी ( तीन करोड़ रुपए ):** रिद्धिमान साहा, उमेश यादव, भुवनेश्वर कुमार, शार्दुल ठाकुर, मयंक अग्रवाल

**ग्रेड सी ( एक करोड़ रुपए ):** कुलदीप यादव, नवदीप सैनी, दीपक चाहर, शुभमन गिल, हनुमा विहारी, अक्षर पटेल, श्रेयस अय्यर, वाशिंगटन सुन्दर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज